लखनऊ

रविवार, 3 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 249

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"समय का सही उपयोग करना सीख लो, यही आदत आपकी जिंदगी भर सफलता दिलाएगी।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

मुंबई में हिट-एंड-रन : टेंपो ने तीन मजदूरों को कुचला, ड्राइवर फरार

मुंबई। मुंबई के पवई इलाके से एक दर्दनाक हिट एंड रन का मामला सामने आया है। एक तेज रफ्तार टेंपो ने सड़क के किनारे काम कर रहे कई मजदूरों को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। इस घटना में तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। सभी घायलों को एक नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना मोरारजी नगर में हुई, जहां मुंबई नगर निगम की ओर से नियुक्त एक ठेकेदार ने सीवर सफाई के काम के लिए मजदूरों की एक टीम तैनात की थी। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि जब मजदूर सफाई के काम में लगे हुए थे, तभी एक तेज रफ्तार टेंपो ने उन्हें टक्कर मार दी। ड्राइवर घायल लोगों की कोई मदद किए बिना तुरंत मौके से भाग गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पवई पुलिस ने एक अज्ञात ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इसके साथ ही, आरोपी का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। इस मामले के संबंध में ठेकेदार को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है और घटनास्थल पर सुरक्षा नियमों में लापरवाही की जांच चल रही है। इससे पहले, शुक्रवार को एक अलग घटना में ठाणे के माजीवाड़ा जंक्शन के पास 'हिट-एंड-रन' दुर्घटना में एक महिला की जान चली गई। पीड़ित महिला पास के एक रिहायशी कॉम्प्लेक्स में काम करती थी। मुंब्रा स्थित अपने घर लौटते समय व्यस्त वह मुंबई-नासिक हाईवे को पार करने की कोशिश कर रही थी। पुलिस ने बताया कि महिला सार्वजनिक वाहन में बैठने के लिए हाईवे पार करके दूसरे किनारे पर पहुंच गई थी, लेकिन वह सामने से आ रहे वाहनों की रफ्तार का सही अंदाजा नहीं लगा पाई। उसे एक टेंपो ने टक्कर मार दी, जिसका ड्राइवर भी मौके से भाग गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित महिला को कालवा सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।

50 प्रतिशत से अधिक एलपीजी होती है आयात, वैश्विक कारणों से बढ़ी कमर्शियल एलपीजी की कीमतें : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली ,02 मई ,(आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपए की बढ़ोतरी पर शनिवार को कहा कि यह बढ़ोतरी वैश्विक कारणों से हुई है और भारत की 50 प्रतिशत से अधिक एलपीजी की निर्भरता आयात पर है। पत्रकारों से बात करते हुए प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है और हमारी 50 प्रतिशत से अधिक एलपीजी की निर्भरता आयात पर है और इसी वजह से फिलहाल हम मुश्किलों का सामना कर रहे हैं।'उन्होंने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद सरकार ने मुख्य ईंधनों की कीमतों में स्थिरता बनाए रखी है और बताया कि केंद्र सरकार ने अब तक घरेलू एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और पाइप वाली प्राकृतिक गैस की दरें अपरिवर्तित रखी हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की कीमतें वैसी ही रखी हैं, और यहां तक कि एलएनजी (पाइप वाली प्राकृतिक गैस) की कीमतें भी वैसी ही हैं लेकिन यह एक ऐसी चीज है जिसे टाला नहीं जा सकता था, इसलिए ऐसा हुआ।' कमर्शियल एलपीजी (19 किलोग्राम का सिलेंडर) की कीमत में औसतन 993 रुपए की बढ़ोतरी की गई है।

काउंटिंग से 48 घंटे पहले फाल्टा में बवाल, सड़कों पर उतरे लोग, टीएमसी पर धमकाने का आरोप

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को शनिवार को सर्वोच्च न्यायालय से झटका लगा, जब न्यायालय ने टीएमसी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें चुनाव आयोग के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी कि 4 मई को मतगणना केंद्रों पर केवल केंद्रीय बलों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के कर्मचारियों को ही मतगणना पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जॉयमाल्य बागची की दो-न्यायाधीशों की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए कहा कि चुनाव आयोग के परिपत्र को गलत नहीं कहा जा सकता। हालांकि अदालत ने कहा है कि चुनाव आयोग मतगणना कर्मियों का चयन केवल एक ही समूह से कर सकता है, जो कि केंद्र सरकार है, फिर भी 4 मई को मतगणना के दौरान टीएमसी के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। यह कदम भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा 13 अप्रैल के परिपत्र को अक्षरशः लागू करने के आश्वासन के बाद उठाया गया है।

इससे पहले, भाजपा ने टीएमसी के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा था कि पश्चिम बंगाल में अधिकांश एग्जिट पोल में भगवा पार्टी की जीत की भविष्यवाणी के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हताश हैं। हालांकि, बनर्जी ने एग्जिट पोल के अनुमानों को खारिज करते हुए लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त हैं। इस बीच, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभाओं - डायमंड हार्बर और मगराहट पश्चिम - के 15 मतदान केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान कराया जा रहा है। चुनाव आयोग ने राज्य चुनाव तंत्र से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुनर्मतदान का आदेश दिया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव आयोग से शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 29 अप्रैल को दूसरे चरण में हुए मतदान में शामिल 15 मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) से छेड़छाड़, बूथ जाम और धांधली हुई थी। मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों और डायमंड हार्बर के चार बूथों पर पुनर्मतदान का आदेश दिया गया था। गौरतलब है कि डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का गढ़ है। अन्य राज्यों की बात करें तो, तमिलनाडु में एग्जिट पोल ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाले डीएमके गठबंधन को बढ़त दी है, जबकि कुछ ने विजय की टीवीके की अप्रत्याशित जीत की भविष्यवाणी भी की है। केरल में एग्जिट पोल ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की सत्ता में वापसी की संभावना जताई है। असम और पुडुचेरी में एग्जिट पोल ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत की भविष्यवाणी की है। चारों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

देश को मिलेंगी हाइपरसोनिक ग्लाइड और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल, विकसित करने में जुटा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने वाली है। DRDO के चेयरमैन समीर वी कामत ने हालही में एक बड़ी बात कही है। उन्होंने ANI National Security Summit में कहा है कि भारत हाइपरसोनिक ग्लाइड और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणालियों पर काम कर रहा है, जिनमें से ग्लाइड मिसाइल, विकास के मामले में आगे है। कामत ने कहा, 'हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल में स्क्रैमजेट इंजन होता है और उड़ान के दौरान इसे ऊर्जा मिलती है। वहीं हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल को शुरुआती रफ्तार देने के लिए बूस्टर का उपयोग किया जाता है और फिर यह बिना किसी ऊर्जा के ग्लाइड करती है।'

कामत ने इस बात के संकेत दिए हैं कि ग्लाइड मिसाइल का परीक्षण जल्द ही शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'ग्लाइड मिसाइल पहले आएगी। हमें जल्द ही पहले परीक्षण करने चाहिए और यह क्रूज मिसाइल की तुलना में अधिक उन्नत चरण में है।' हालही में कामत ने ये भी बताया था कि DRDO, अग्नि 6 के लिए तैयार है, बस केंद्र की मंजूरी का इंतजार है। अग्नि-VI बैलिस्टिक मिसाइल के विकास पर, कामत ने कहा कि यह कार्यक्रम सरकार के निर्णय पर निर्भर करता है, और उन्होंने कहा कि मंजूरी मिलते ही एजेंसी आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अग्नि-VI के एक उन्नत अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल होने की उम्मीद है, जिसकी मारक क्षमता भारत की अग्नि श्रृंखला की मौजूदा प्रणालियों की तुलना में अधिक होगी और क्षमताएं भी बेहतर होंगी।

योगी का सख्त निर्देश, बोले- खोदी गई सड़क और गड्ढे तुरंत भरें, जल जीवन मिशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जल जीवन मिशन के तहत खुदाई का काम करते समय सुरक्षा के सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाए और कार्य संपन्न होते ही खोदी गई सड़कों व गड्ढों को तत्काल भरा जाए।

जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी खुद स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी सरकार शहरी इलाकों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में साफ पानी पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। जल जीवन मिशन के जरिए करोड़ों लोगों को इसका लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश के मुताबिक प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधिकारी, जल जीवन मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकरी तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर खुदी हुई सड़कों व गड्ढों की स्थिति का पता करें। साथ ही इन्हें तत्काल भरना भी सुनिश्चित करें। इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। काम को समय से पूरा नहीं करने, अधूरा छोड़ने या इसमें लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं व ठेकेदारों पर जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए। सीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जल समाधान पोर्टल पर आपूर्ति, लीकेज व खुदाई से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

टोल फ्री नंबर पर कीजिए शिकायत

जल जीवन मिशन के तहत जलापूर्ति या मरम्मत संबंधित शिकायतों के लिए लोग 18001212164 टोल फ्री नंबर पर शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में करीब 2.50 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को नल से जल कनेक्शन पहुंचाया जा चुका है। विंध्य और बुंदेलखंड में लगभग शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। योगी सरकार घर-घर साफ पानी पहुंचाने का काम युद्धस्तर पर कर रही है।

मणिपुर में सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन, 23 बंकर ध्वस्त, 18 आईईडी बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर में जारी तनाव के बीच सुरक्षाबलों ने उग्रवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उखरुल जिले में 23 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया है। इसके साथ ही सुरक्षाबलों ने तेंगनौपाल जिले से 18 आईईडी बरामद किए हैं। पुलिस ने शनिवार (2 मई) को जारी बयान में बताया कि यह कार्रवाई मंगलवार को अलग-अलग संवेदनशील इलाकों में की गई। बयान में के मुताबिक लिटन पुलिस थाना क्षेत्र के मोंगकोट चेपू, शोंगफेल, मुल्लम, सिराखोंग और रिंगु के पहाड़ी गांवों में सुरक्षाबलों ने बीते गुरुवार को बंकर नष्ट किए गए। इसके साथ ही हथियार भी बरामद किए गए हैं, जिनमें 12 बोर की एक पंप-एक्शन शॉटगन, 17 कारतूस और 111 खोखे शामिल हैं। वहीं बुधवार को एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस थाने क्षेत्र के टी बोंगमोल गांव में हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा जब्त किया।बताया जा रहा है कि दो सिंगल बैरल राइफल, मैगजीन सहित नौ मिमी की चार पिस्तौल और 18 आईईडी जब्त किए गए। इन विस्फोटकों को सावधानी पूर्वक मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

कांगपोकपी और उखरुल जिलों कार्रवाई

इससे पहले सुरक्षा बलों ने व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाते हुए कांगपोकपी और उखरुल जिलों में कुल 12 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया था। पुलिस के अनुसार, कांगपोकपी जिले के सैकुल थाना क्षेत्र में लुंगटर हिल पर तीन अवैध बंकर नष्ट किए गए, वहीं टिंगपिबुंग और लेपलेन गांव में एक-एक बंकर को ध्वस्त किया गया। तो वहीं उखरुल जिले के लिटन थाना क्षेत्र में सात अन्य बंकरों को भी सुरक्षा बलों ने नष्ट किया था। ये सभी बंकर ऊंचे और संवेदनशील इलाकों में बनाए गए थे, जिनका इस्तेमाल हमलों और जवाबी कार्रवाई के लिए किया जा रहा था।

गोलीबारी में 7 लोगों की मौत

ये अवैध बंकर फरवरी से शुरू हुई हिंसा के बाद कूकी और तांगखुल नागा समुदायों के सशस्त्र समूहों द्वारा बनाए गए थे। दोनों समुदायों के बीच बढ़ते टकराव ने इलाके में हालात को बेहद संवेदनशील बना दिया है।उखरुल जिले में तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़कने के बाद से गोलीबारी की विभिन्न घटनाओं में कम से कम सात लोग मारे गए थे और 30 से अधिक घरों को जला दिया गया था।

बिना कारण 3 महीने तक जेल में रखा, हाई कोर्ट ने यूपी सरकार पर लगाया 10 लाख का जुर्माना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए 10 लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। कोर्ट ने एक युवक को बिना किसी कारण बताए तीन महीने जेल में रखने को असंवैधानिक करार दिया। जस्टिस अब्दुल मोइन और जस्टिस प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार इस राशि को जिम्मेदार अधिकारियों से वसूल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब इतने बड़े अधिकारी अपर मुख्य सचिव, गृह का ये हाल है तो दूसरे अधिकारी किस स्तर पर काम कर रहे होंगे। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि अपर मुख्य सचिव गृह ने हलफनामे में यह तक नहीं बताया कि हर्जाना क्यों न लगाया जाए। खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी शख्स को गिरफ्तार करने का कारण लिखित रूप में बताना संवैधानिक दायित्व है। इसे नजरअंदाज करना नागरिक के मौलिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। याची मनोज कुमार को 27 जनवरी 2026 को उन्नाव जिले के असिवन थाने में दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने पाया कि गिरफ्तारी के बाद तीन महीने तक मनोज कुमार को जेल में रखा गया, लेकिन न तो कोई स्पष्ट आरोप तय किए गए और न ही कोई कारण बताया गया। कोर्ट ने मनोज कुमार की तत्काल रिहाई का आदेश दिया। साथ ही ये कहा कि यदि वो किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए।

50 प्रतिशत से अधिक एलपीजी होती है आयात, वैश्विक कारणों से बढ़ी कमर्शियल एलपीजी की कीमतें : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपए की बढ़ोतरी पर शनिवार को कहा कि यह बढ़ोतरी वैश्विक कारणों से हुई है और भारत की 50 प्रतिशत से अधिक एलपीजी की निर्भरता आयात पर है। पत्रकारों से बात करते हुए प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है और हमारी 50 प्रतिशत से अधिक एलपीजी की निर्भरता आयात पर है और इसी वजह से फिलहाल हम मुश्किलों का सामना कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद सरकार ने मुख्य ईंधनों की कीमतों में स्थिरता बनाए रखी है और बताया कि केंद्र सरकार ने अब तक घरेलू एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और पाइप वाली प्राकृतिक गैस की दरें अपरिवर्तित रखी हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी की कीमतें वैसी ही रखी हैं, और यहां तक कि एलएनजी (पाइप वाली प्राकृतिक गैस) की कीमतें भी वैसी ही हैं लेकिन यह एक ऐसी चीज है जिसे टाला नहीं जा सकता था, इसलिए ऐसा हुआ।' कमर्शियल एलपीजी (19 किलोग्राम का सिलेंडर) की कीमत में औसतन 993 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 3,071.50 रुपए हो गई है, जो पहले 2,078.50 रुपए थी। मुंबई में, कीमतें 2,031 रुपए से बढ़कर 3,024 रुपए हो गई हैं। 28 फरवरी के बाद से कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में यह तीसरी बढ़ोतरी है, जब ईरान संघर्ष बढ़ गया था। पहली बढ़ोतरी मार्च में की गई थी, जिसमें 144 रुपए बढ़ाए गए थे। इसके बाद 1 अप्रैल को लगभग 200 रुपए की एक और बढ़ोतरी की गई। कीमतों में बार-बार होने वाले इन बदलावों का असर रेस्टोरेंट, खाने-पीने की जगहों और दूसरे कमर्शियल संस्थानों पर काफी ज़्यादा पड़ने की उम्मीद है, जो अपने रोजाना के कामकाज के लिए एलपीजी पर बहुत ज्यादा निर्भर रहते हैं। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि खाने-पीने के कारोबार से जुड़ी कंपनियां इस अतिरिक्त लागत का बोझ ग्राहकों पर डाल सकती हैं, जिससे आने वाले हफ्तों में बाहर खाना और फूड डिलीवरी करवाना और भी महंगा हो सकता है।

अभिभावक को बड़ी राहत, अब स्कूल फीस एक साथ नहीं वसूल सकेंगे स्कूल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे एक बार में एक महीने से अधिक की फीस न लें। शिक्षा निदेशालय (DoE) ने नियमों का उल्लंघन करने पर शिक्षण संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। निर्देश में दोहराया गया है कि स्कूलों को एक ही किश्त में एक कैलेंडर महीने से अधिक की फीस का भुगतान अनिवार्य, आवश्यक या बाध्यकारी नहीं करना चाहिए। शिक्षा विभाग की अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी विद्यालय किसी भी प्रकार से किसी भी अभिभावक या संरक्षक को एक कैलेंडर माह से अधिक की फीस एक ही किश्त में देने के लिए बाध्य, मजबूर या विवश नहीं करेगा। हालांकि, यह स्पष्ट किया जाता है कि जो अभिभावक या संरक्षक अपनी इच्छा से और बिना किसी दबाव या प्रलोभन के एक माह से अधिक की फीस एक ही किश्त में देना सुविधाजनक समझते हैं, उन्हें ऐसा करने की अनुमति दी जा सकती है। आदेश में कहा गया है कि कोई भी विद्यालय प्रवेश, निरंतर नामांकन या किसी भी छात्र सेवा तक पहुंच के लिए अग्रिम शुल्क भुगतान को पूर्व शर्त नहीं बनाएगा। सभी विद्यालयों को यह आदेश अपने नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा और सात कार्य दिवसों के भीतर इसे अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर अपलोड करना होगा। दिल्ली विद्यालय शिक्षा अधिनियम, 1973 के प्रावधानों का हवाला देते हुए निदेशालय ने चेतावनी दी कि अनुपालन न करने पर मान्यता रद्द करने या विद्यालय प्रबंधन का अधिग्रहण सहित गंभीर कार्रवाई की जा सकती है। शिक्षा विभाग ने कहा कि इस उपाय का उद्देश्य शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करना और अभिभावकों, विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वर्ग के अभिभावकों के हितों की रक्षा करना है।

भारत और इक्वाडोर के बीच मजबूत हुए कूटनीतिक संबंध : दवाइयों से लेकर डिजिटल तकनीक तक, कई बड़े समझौते

नई दिल्ली, एजेंसी। इक्वाडोर की विदेश मंत्री गैब्रिएला सोमरफेल्ड की हालिया भारत यात्रा ने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। इस उच्च स्तरीय दौरे का मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा। भारतीय नेतृत्व के साथ सोमरफेल्ड की बैठकों के दौरान दोनों देशों ने आर्थिक साझेदारी को और बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर करने पर हुई चर्चा

व्यापारिक मोर्चे पर इस यात्रा के परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। दोनों देशों ने व्यापार में आने वाली बाधाओं को दूर करने पर विस्तार से चर्चा की। इक्वाडोर ने विशेष रूप से अपने प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे केला, कोको और झींगा के लिए भारतीय बाजार में बेहतर अवसर तलाशने पर जोर दिया। दूसरी ओर, भारत ने इक्वाडोर के ऊर्जा और खनन क्षेत्रों में निवेश की रुचि दिखाई है। यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापार संतुलन को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा।

इक्वाडोर को जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराएगा भारत

स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्युटिकल क्षेत्र इस दौरे का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा। भारत ने इक्वाडोर को सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। इस सहयोग से इक्वाडोर की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही, दोनों देशों ने जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा अनुसंधान में संयुक्त प्रयासों पर भी चर्चा की। तकनीकी मोर्चे पर भारत ने अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के अनुभव को साझा करने की पेशकश की है। डिजिटल क्रांति से प्रभावित होकर, इक्वाडोर ने अपने प्रशासनिक और वित्तीय प्रणालियों को आधुनिक बनाने के लिए भारतीय विशेषज्ञता का लाभ उठाने की इच्छा जताई है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों देशों ने एक सुर में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह दौरा न केवल व्यापारिक था, बल्कि इसने लैटिन अमेरिका में भारत की बढ़ती रणनीतिक पहुंच को भी मजबूती प्रदान की है।

यूपी में दो चरणों में होगा सर्वे, जातिगत आंकड़े भी जुटेंगे, 1 मार्च 2027 तक होगी जनसंख्या की घोषणा

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जनगणना 2027 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। जनगणना कार्य निदेशालय की निदेशक शीतल वर्मा ने प्रेसवार्ता में बताया कि यह प्रक्रिया वर्ष 2025 से ही विचाराधीन है और इसे दो चरणों में पूरा किया जाएगा। जनगणना का अंतिम समय 1 मार्च 2027 की रात 12 बजे निर्धारित किया गया है, जिसके आधार पर देश की कुल जनसंख्या घोषित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर 2025 से 31 मार्च 2027 तक सभी राजस्व प्रशासनिक इकाइयों को फ्रीज कर दिया जाएगा। इस दौरान कोई नया गांव या तहसील नहीं बनाई जाएगी।

इसी चरण में जातिगत जनगणना भी की जाएगी

पहले चरण में 22 मई से 20 जून 2026 तक घरों की गणना (हाउस लिस्टिंग) की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक प्रत्येक व्यक्ति की गणना होगी। इसी चरण में जातिगत जनगणना भी की जाएगी। प्रदेश को लगभग 3.90 लाख गणना ब्लॉकों में विभाजित किया गया है और करीब 5 लाख कार्मिक इस कार्य में लगाए जाएंगे। प्रत्येक ब्लॉक में 800 से 1000 लोगों की गणना की जाएगी। प्रशिक्षण प्रक्रिया 10 मई तक पूरी कर ली जाएगी, जिसमें राष्ट्रीय स्तर से लेकर फील्ड ट्रेनर तक की नियुक्ति की गई है। जनगणना का कार्य घर-घर जाकर किया जाएगा, जिसमें मकानों, संपत्तियों और व्यक्तियों की विस्तृत जानकारी जुटाई जाएगी। स्लम क्षेत्रों और शून्य आबादी वाले इलाकों को भी शामिल किया जाएगा। इस विशाल अभियान के माध्यम से प्रदेश और देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का विस्तृत आंकलन संभव होगा।

अंबेडकरनगर में 4 बच्चों की हत्या से सनसनी... बंद कमरे में मिले शव, मां पर शक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां चार मासूम बच्चों की निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों बच्चों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस को आशंका है कि बच्चों की हत्या की उनकी मां ने ही की है। हालांकि, पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है। मृत बच्चों की मां घर से गायब है, पुलिस जिसकी तलाश कर रही है।

अंबेडकर नगर जिले मुख्यालय अकबरपुर के मीरानपुर मोहल्ले में शनिवार दोपहर तीन बजे एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक घर के अंदर बिस्तर पर चार छोटे बच्चों के खून से लथपथ शव मिले। घर का दरवाजा अंदर से बंद था और बच्चों की मां घर से गायब बताई जा रही है। मृतक बच्चों की पहचान महरुआ निवासी नियाज की पत्नी के पुत्र शफीक, सऊद, उमर तथा पुत्री बयान के रूप में हुई है। परिवार मीरानपुर मोहल्ले में रहता था।

क्या है मामला?

जानकारी के मुताबिक, नियाज पिछले कई वर्षों से सऊदी अरब में नौकरी कर रहे हैं और उन्होंने वहां एक पाकिस्तानी महिला से निकाह भी कर लिया था। पुलिस जांच मे हत्या की आशंका जताई जा रही है कि पति के दूसरे निकाह की बात जानकर महिला तनावग्रस्त रहती थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

एसपी ने क्या कहा?

हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंचकर जांच कर रही है। एसपी प्रीति सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी की एक महिला ने अपने चार बच्चों की हत्या कर दी है। महिला बच्चों की हत्या कर फरार हो गई। उन्होंने कहा कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था, महिला कैसे फरार हुई। इसकी भी जानकारी की जा रही है। महिला का पति सऊदी में काम करता है। पिछले एक महीने से घर नहीं आया है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।

सुलतानपुर में फंदे से लटका मिला पांच दिन से लापता युवक का शव, मामले की जांच में जुटी पुलिस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अखंडनगर (सुलतानपुर)। पांच दिन से लापता युवक का शव रतनपुर गांव स्थित मैनी बाग में एक युवक शव शनिवार की सुबह पेड़ पर फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को फंदे से उतार लोगों से पूछताछ की।

ताजुद्दीनपुर के शेर बहादुर गौतम पुत्र जियालाल गौतम घर से पांच दिन से लापता थे। सुबह करीब 6.30 बजे नित्यक्रिया के लिए निकले ग्रामीणों ने पेड़ से लटका शव देखा। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहुलनगर चौकी इंचार्ज कन्हैया पांडेय, थाना प्रभारी धीरेंद्र कुमार वर्मा पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतरवाया। मृतक के जेब में मोबाइल फोन व पेड़ के नीचे चप्पल मिली । परिवारजन ने मौके प पहुंच शव की शिनाख्त की और बताया कि वह पांच दिन पूर्व घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। उसकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन पता नहीं चला। मृतक मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था।

अचानक हुई इस घटना से पत्नी अर्चना गौतम व भाई आकाश समेत परिवारजन का रो-रोकर हाल बेहाल है। उसका वर्ष का एक बेटा है। थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

कैंसर मरीजों के लिए बड़ी राहत, संजय गांधी हॉस्पिटल में अत्याधुनिक उपचार केंद्र शुरू

आर्यावर्त संवाददाता

अमेठी/सुलतानपुर। एक अच्छी और राहत भरी खबर सामने आई है। अब कैंसर मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। संजय गांधी हॉस्पिटल में लीनस ऑन्कोलॉजी इंस्टिट्यूट की स्थापना के साथ ही क्षेत्र का पहला आधुनिक रेडिएशन थेरेपी सेंटर शुरू हो गया है। इस नए केंद्र के शुरू होने से अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली और अयोध्या के मरीजों को बड़ा लाभ मिलेगा। अब उन्हें कीमोथेरेपी, सर्जरी और रेडिएशन जैसी सभी जरूरी सुविधाएं एक ही जगह, स्थानीय स्तर पर मिलेंगी। सरकार की आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत पात्र मरीजों को यहां निःशुल्क इलाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है। खास बात यह है कि दिल्ली और लखनऊ के अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टर इस सेंटर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। लीनस ऑन्कोलॉजी के सीईओ डॉ. विनीत नाकरा ने बताया कि भविष्य में उत्तर प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी इस तरह के आधुनिक कैंसर उपचार केंद्र खोले जाएंगे, जिससे ज्यादा से ज्यादा मरीजों को समय पर और बेहतर इलाज मिल सके।

श्री राम कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब, 3 अप्रैल को होगा भंडारा

सुलतानपुर। पंडित राजेश उपाध्याय के सानिध्य में आयोजित श्री राम कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। 28 तारीख से प्रारंभ हुई इस कथा में प्रतिदिन भक्तजन बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा का रसपान कर रहे हैं।

इस पावन अवसर पर गोकर्ण नाथ उपाध्याय, हृदय नारायण उपाध्याय, कॉमेडी स्टार बलराम पांडे, रामबिहारी उपाध्याय, राघवेन्द्र दुबे, राधेश्याम उपाध्याय, बसंत उपाध्याय एवं भगवती तिवारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कथा के दौरान भगवान शंकर और माता पार्वती के विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए और पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। आयोजकों ने बताया कि 3 अप्रैल को भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील की गई है।

कुमार विश्वास और सोमनाथ भारती की बढ़ीं मुश्किलें, आचार संहिता उल्लंघन मामला एमपी–एमएलए कोर्ट पहुंचा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के मामले में कवि डॉ. कुमार विश्वास, दिल्ली के पूर्व मंत्री सोमनाथ भारती और सत्येंद्र जैन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। यह मामला अब एमपी-एमएलए की विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट में पहुंच गया है।

विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने गुरुवार को सुनवाई करते हुए अगली तारीख 15 मई तय की है। तीनों आरोपियों के खिलाफ पहले ही समन जारी हो चुका है।

मामला अमेठी संसदीय क्षेत्र से जुड़ा है। वर्ष 2014 के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने राहुल गांधी के खिलाफ डॉ. कुमार विश्वास को उम्मीदवार बनाया था। आरोप है कि पांचवें चरण का चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद भी पार्टी से जुड़े कई बाहरी लोग अमेठी के महमूदपुर स्थित उनके आवास पर रुके रहे, जिससे आचार संहिता का उल्लंघन हुआ।

इस मामले में अमेठी के तत्कालीन कोतवाल मोहम्मद हमीद ने 5 मई 2014 को कुमार विश्वास, सोमनाथ भारती और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बाद में 27 अक्तूबर 2014 को पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की जिस पर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने 30 अक्तूबर को समन जारी करने का आदेश दिया था।

अब तक यह केस एसीजेएम चतुर्थ की अदालत में चल रहा था। चूंकि मामला पूर्व विधायक से जुड़ा है, इसलिए इसे एमपी-एमएलए की विशेष अदालत में ट्रांसफर कर दिया गया है।

2014 चुनाव से जुड़ा मामला

- 5 मई 2014 को दर्ज हुई थी एफआईआर
- 27 अक्तूबर को दाखिल हुई चार्जशीट
- 30 अक्तूबर को जारी हुआ समन

ड्राइविंग लाइसेंस में जन्मतिथि का अब ऑनलाइन हो सकेगा संशोधन, आवेदकों को मिलेगी राहत

आर्यावर्त संवाददाता

आजमगढ़। अब ड्राइविंग लाइसेंस धारकों को गलत दर्ज जन्मतिथि को सुधरवाने के लिए आरटीओ कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। शासन ने ड्राइविंग लाइसेंस में जन्मतिथि संशोधन की प्रक्रिया को ऑनलाइन मंजूरी दे दी है। ऐसे में उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

जिन्हें पासपोर्ट, बैंकिंग या अन्य आधिकारिक कार्यों में ड्राइविंग लाइसेंस में जन्मतिथि अलग होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। जन्मतिथि संसोधन कराने के लिए आधार और मार्कशीट के साथ पोर्टल पर आवेदन करना होगा।

देना होगा शुल्क

परिवहन विभाग द्वारा जन्मतिथि में संशोधन के लिए 200 रुपये का शुल्क तय किया गया है। यदि आवेदक संशोधित विवरण के साथ नया स्मार्ट कार्ड प्राप्त करना चाहता है, तो उसे 400 रुपये का भुगतान करना पड़ सकता है। शासन से ड्राइविंग लाइसेंस में जन्मतिथि में संशोधन के लिए निर्देश आया है, लेकिन अभी संशोधन का कार्य शुरू नहीं हुआ है। बहुत जल्द इसे शुरू कराया जाएगा।

–अतुल कुमार, एआरटीओ।

जनपद में करीब आठ लाख 68 हजार 792 डीएल धारक है, जिसमें बाइक सवार 770907, कार 55943 और 41942 वाहन चालक हैं। इनमें कुछ डीएल धारक ऐसे है जिनके डीएल में जन्मतिथि गलत दर्ज है। अब तक आरटीओ कार्यालय में जन्मतिथि को सही कराने की व्यवस्था नहीं होने से डीएल धारकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। शासन स्तर से डीएल में संशोधन के लिए अनुमति मिल गई है, जिसके लिए उपभोक्ता को नई व्यवस्था के तहत सारथी पोर्टल के माध्यम से इसे आसान बना दिया गया है। आवेदन के बाद आवेदक को केवल बायोमेट्रिक और मूल दस्तावेजों के सत्यापन के लिए एक बार कार्यालय जाना होगा।

संशोधन के लिए जरुरी दस्तावेज

जन्मतिथि में सुधार के लिए आवेदक को मान्यता प्राप्त संस्थान का प्रमाण पत्र (जैसे 10 वीं की मार्कशीट), नगर पालिका/नगर निगम द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी किया गया आयु प्रमाण पत्र।

पुलिस का त्वरित एक्शन 1 घंटे में तीन लापता बच्चियां सकुशल बरामद

सुलतानपुर। राहत भरी खबर सामने आई है, जहां कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव महेसुआ में शनिवार को तीन बच्चियों के लापता होने से हड़कंप मच गया। स्कूल जाने के बाद जब बच्चियां घर नहीं लौटीं तो परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मामले की गंभीरता को समझते हुए पुलिस ने बिना देर किए कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधीक्षक चारू निगम के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी लम्भुआ के नेतृत्व में चल रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत टीमों ने पूरे इलाके में सघन चेकिंग और तलाश अभियान चलाया। तेज कार्रवाई और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने गोल्डन ऑवर के भीतर ही तीनों बच्चियों को सुरक्षित बरामद कर लिया। इस सफल ऑपरेशन में कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक धर्मवीर सिंह और उनकी टीम की अहम भूमिका रही। इस त्वरित कार्रवाई से न सिर्फ एक बड़ी अनहोनी टल गई, बल्कि पुलिस की सतर्कता और तत्परता भी एक बार फिर साबित हुई।

एक चूहे ने 3500 परिवारों का किया बुरा हाल, 9 घंटे बिजली-पानी को तरस गए लोग

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। सैनिक विहार बिजली उपकेंद्र के तीन फीडर में फाल्ट होने से छह से नौ घंटे तक साढ़े तीन हजार परिवारों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। सर्किट ब्रेकर में चूहा घुस जाने के कारण धमाके साथ फाल्ट हुआ। बड़ी संख्या में लोगों को पानी के लिए तरसना पड़ा।

शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे बिजली गुल हो गई। जिससे नंगलाताशी मुख्य बाजार, अशोक नगर, सैनिक विहार ए ब्लाक, बी ब्लाक के अलावा ड्रीम सिटी, आर्क सिटी और श्रद्धापुरी फेज-दो की बिजली चली गई। सुबह तक जब बिजली नहीं आई तो लोगों ने उपकेंद्र पर संपर्क किया।

नंगलाताशी निवासी अनिल कुमार, संजीव, कृष्णानगर निवासी राहुल और अनिल उपकेंद्र पहुंचे। स्थानीय पार्षद सीमा प्रजापति ने बताया कि पानी आपूर्ति की समस्या होने पर लोग आक्रोषित हो गए। सुबह साढ़े आठ बजे तीन में से दो फीडर चालू कर दिए गए, जिसके बाद पेयजल की ट्यूबवेल को चालू किया जा सका। इसके बाद 10 बजे फिर से शट डाउन लिया गया।

अवर अभियंता दिवाकर सिंह ने बताया कि नंगलाताशी फीडर का सर्किट ब्रेकर चूहे के फंसने के क्षतिग्रस्त हो गया। दोपहर साढ़े 12 बजे आपूर्ति सुचारु कर दी गई। वहीं पार्षद पति सतीश प्रजापति ने बताया कि दोपहर साढ़े 12 बजे के बाद भी कट लगते रहे तीन बजे के बाद आपूर्ति सुचारु हो पाई।

मुरादाबाद में दो गो तस्कर पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, दोनों के पैर में लगी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। कटघर क्षेत्र में गुरुवार को गोवंशीय पशु का वध करके अवशेष फेंककर फरार होने वाले दो गो-तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने गो-तस्कर जुनैद और कय्यूम के पैर में गोली मारकर पकड़ लिया।

दोनों कब्जे से पशुओं का वध करने के उपकरण, तमंचा और कारतूस बरामद किए है। गो-तस्कर कय्यूम दो माह पहले ही जेल से बाहर आया था। उससे पहले भी पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान आरोपित के पैर में गोली मारकर जेल भेजा था।

रामगंगा किनारे गांव मुस्तफाबाद के जंगल में गुरुवार को गोवंशीय पशु के अवशेष मिले थे। पुलिस ने पहुंचकर पशुओं के अवशेष को दबवा दिया था और अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी।

शुक्रवार की रात करीब नौ बजे कटघर के प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र कुमार को सूचना मिली कि कुछ आरोपित गोकशी करने के इरादे से गांव सक्टूनगला से जाने वाली चकरौड़ पर मौजूद है।

सूचना मिलने ही पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने बाइक सवारों की घेराबंदी की तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दोनों के पैर में गोली मार दी। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

सूचना पर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह भी पहुंच गए। आरोपितों ने पूछताछ में अपना नाम जुनैद निवासी सिरसखेड़ा और कय्यूम निवासी खानपुर लक्की मूंढापांडे बताया।

आरोपित ने बताया कि गुरुवार को गोकशी की घटना को अंजाम दिया था। एसपी सिटी ने बताया कि दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

श्यामलाल निषाद का हुआ समाजवादी पार्टी कार्यालय पर भव्य व अभूतपूर्व स्वागत

सुलतानपुर। आज जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय सुपर मार्केट में मोस्ट कल्याण संस्थान के निदेशक शिक्षक श्यामलाल निषाद जो कि 21 अप्रैल 2026 को समाजवादी पार्टी में शामिल हुए थे उनका अभूतपूर्व स्वागत पार्टी कार्यालय पर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव तथा संचालन जिला महासचिव सलाहुद्दीन खान ने किया। उक्त अवसर पर पूर्व विधायक भगेलू राम, पूर्व विधायक संतोष पांडेय, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी शकील अहमद, सलमान गनी खान, जितेंद्र वर्मा (बाजीगर), शारदा यादव, मोस्ट प्रमुख ज़ीशान अहमद, जनरल सेक्रेटरी राम उजागिर यादव, मोस्ट संरक्षक से.नि. एडीओ भारत राम, निर्णायक कमेटी सदस्य पेरियार संभोले वर्मा, बाबू रज्जन प्रसाद, दयाराम मौर्या, छोटेलाल निषाद, सीमा बौद्ध, नन्दनी बौद्ध, गोविंद भगत, राकेश निषाद सहित भारी संख्या में पार्टी और मोस्ट के समर्थक मौजूद रहे।

नरवारी ग्राम पंचायत में बिना काम किए ही भरी जा रही 35 मजदूरों की हाजिरी

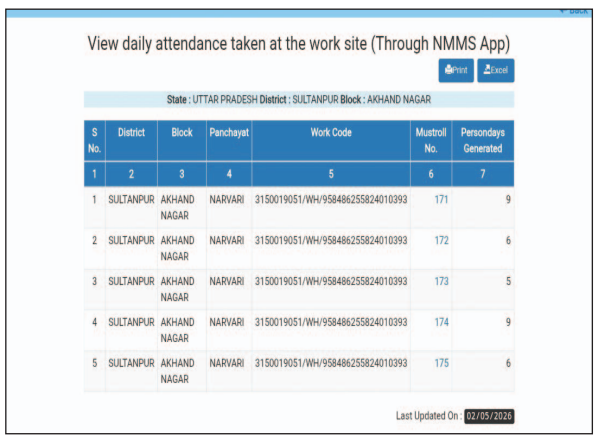

आर्यावर्त संवाददाता

अखंडनगर/सुल्तानपुर। जनपद के विकासखंड अखंड नगर अंतर्गत ग्राम पंचायत नरवारी में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में एक बड़ी धांधली का मामला प्रकाश में आया है। यहाँ धरातल पर मजदूर न होने के बावजूद कागजों में 35 मजदूरों की फर्जी हाजिरी दर्ज की जा रही है।

हैरानी की बात यह है कि जब इस मामले को लेकर ग्राम प्रधान से संपर्क किया गया और जानकारी माँगी गई, तो उन्होंने स्वयं इस बात को स्वीकार किया। प्रधान ने स्पष्ट रूप से कहा कि मजदूर धरातल पर कार्य नहीं कर रहे हैं, लेकिन कागजों में उनकी हाजिरी लगाई गई है। प्रधान का यह बयान सरकारी धन के बंदरबांट और योजना में पारदर्शिता की कमी को उजागर करता है। इस गंभीर प्रकरण की जानकारी जब अखंड नगर की एपीओ को दी गई, तो उन्होंने मामले को संज्ञान में लिया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि मनरेगा में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि फर्जी हाजिरी दर्ज करने का मामला सही पाया जाता है, तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह मामला सामने आने के बाद अब ब्लॉक प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रधान खुलेआम फर्जी हाजिरी की बात स्वीकार रहे हैं, तो इसकी गहन जांच होनी चाहिए कि आखिर यह खेल कब से चल रहा था और इसमें कौन-कौन शामिल है।

राशन कार्ड के नाम पर अवैध वसूली का आरोप, 2 साल से भटक रही पीड़िता

सुलतानपुर। सदर तहसील स्थित आपूर्ति कार्यालय एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। कंप्यूटर ऑपरेटर शुभम सिंह पर एक पीड़िता ने राशन कार्ड बनवाने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप लगाया है।

पीड़िता जो कुड़वार ब्लॉक के कमालपुर गांव की निवासी हैं का कहना है कि उन्होंने करीब दो वर्ष पहले नया राशन कार्ड बनवाने के लिए अपने दस्तावेजों के साथ 1000 रुपये नकद कंप्यूटर ऑपरेटर को दिए थे। उस समय उन्हें भरोसा दिलाया गया कि एक महीने के भीतर राशन कार्ड बन जाएगा। हालांकि समय बीतता गया और हर बार कार्यालय पहुंचने पर उन्हें सिर्फ बन जाएगा का आश्वासन ही मिलता रहा। दो साल गुजर जाने के बाद भी न तो राशन कार्ड बना और न ही उनके पैसे वापस किए गए। पीड़िता लगातार सदर तहसील आपूर्ति कार्यालय के चक्कर काट रही हैं, लेकिन अब तक उनकी सुनवाई नहीं हुई है।

योगी सरकार का नया 'एक्सप्रेसवे मॉडल', स्विट्जरलैंड की तकनीक और एआई के दम पर सड़कों की गुणवत्ता होगी वर्ल्ड क्लास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे निर्माण का मॉडल अब केवल कंक्रीट और कोलतार के पारंपरिक ढांचे तक सीमित नहीं रह गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश अब 'स्मार्ट और डेटा-ड्रिवन' इंफ्रास्ट्रक्चर के दौर में प्रवेश कर चुका है। एक्सप्रेसवे नेटवर्क के विस्तार के साथ-साथ अब उनकी गुणवत्ता, सुरक्षा और दीर्घकालिक मजबूती सुनिश्चित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और आधुनिक स्विस सेंसर तकनीक को ढाल बनाया गया है। यूपीडा (UPEIDA) की स्विट्जरलैंड की प्रसिद्ध ईटीएच ज्यूरिख के साथ साझेदारी इस रणनीति का केंद्र है, जिसका सफल प्रयोग पीएम मोदी द्वारा लोकार्पित गंगा एक्सप्रेसवे में भी देखने को मिल रहा है।

सड़क निर्माण की गुणवत्ता को परखने के लिए अब मानवीय निरीक्षण की जगह वैज्ञानिक डेटा लेगा। इसके लिए सात 'एक्सेलेरोमीटर सेंसर' से लैस एक विशेष वाहन एक्सप्रेसवे की हर लेन पर चलाया जा रहा है। यह वाहन सतह की एकरूपता, ऊंचाई में मामूली उतार-चढ़ाव और सूक्ष्म कंपन का डेटा जुटाता है। यह तकनीक पारंपरिक विजुअल इंस्पेक्शन के मुकाबले कहीं अधिक सटीक है और सड़क की वास्तविक स्थिति का एक वैज्ञानिक 'हेल्थ कार्ड' तैयार करती है।

एआई तय करेगा जवाबदेही: 'पुअर' से 'एक्सीलेंट' तक वर्गीकरण

सेंसर से प्राप्त विशाल डेटा को उन्नत एआई सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोसेस किया जाता है। इसके आधार पर सड़क की गुणवत्ता को 'एक्सीलेंट', 'गुड' और 'पुअर' श्रेणियों में बांटा जाता है। इस सिस्टम की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सड़क की छोटी-से-छोटी तकनीकी खामी को भी तुरंत पहचान लेता है। इससे निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही तय हो रही है और निर्माण के दौरान ही कमियों को दूर करना संभव हो गया है, जिससे भविष्य में मरम्मत की लागत और समय दोनों की बचत होगी।

सुरक्षा का स्मार्ट कवच: एआई कैमरे और दुर्घटनाओं पर लगाम

योगी सरकार का विजन केवल मजबूत सड़क बनाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षित यात्रा भी उनकी प्राथमिकता है। एक्सप्रेसवे के संचालन चरण में एआई-सक्षम कैमरों का जाल बिछाया जा रहा है। ये स्मार्ट कैमरे ओवरस्पीडिंग, गलत लेन ड्राइविंग और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को स्वतः ही चिन्हित कर लेंगे। तकनीक का यह हस्तक्षेप न केवल यातायात नियमों के प्रवर्तन को मजबूत करेगा, बल्कि एक्सप्रेसवे पर होने वाली मार्ग दुर्घटनाओं को कम करने में भी निर्णायक भूमिका निभाएगा।

'स्मार्ट नेटवर्क' की ओर बढ़ता यूपी

यह तकनीकी पहल उत्तर प्रदेश को पारंपरिक इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल से ऊपर उठाकर 'स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर' की वैश्विक श्रेणी में खड़ा करती है। अब यूपी के एक्सप्रेसवे केवल एक शहर को दूसरे शहर से जोड़ने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे डेटा, तकनीक और प्रबंधन के समन्वय से संचालित एक 'इंटेलिजेंट नेटवर्क' बन चुके हैं। योगी सरकार का यह फोकस स्पष्ट करता है कि प्रदेश अब इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के उस परिपक्व चरण में है जहाँ गुणवत्ता और सुरक्षा से कोई समझौता संभव नहीं है।

भूसा संग्रहण अभियान से गोवंश संरक्षण को मजबूती : धर्मपाल सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि 15 अप्रैल से 31 मई तक प्रदेश में संचालित 'भूसा संग्रहण अभियान' निराश्रित गोवंशों के संरक्षण और उनके सुचारु भरण-पोषण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गोवंशों का संरक्षण और संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी गौ आश्रय स्थलों पर गर्मी से बचाव, चारा, भूसा, पेयजल, बिजली और दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। वर्तमान में प्रदेश के 7,430 स्थायी और अस्थायी गोआश्रय स्थलों में लगभग 12.34 लाख गोवंश संरक्षित किए जा चुके हैं। इनके भरण-पोषण के लिए पर्याप्त मात्रा में भूसा और हरा चारा अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने कहा कि गेहूं की कटाई के समय ग्रामीण क्षेत्रों में भूसे की उपलब्धता को देखते हुए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 1,905 अस्थायी भूसा भंडारण स्थल (खोप/कूप) और 7,285 स्थायी भूसा भंडारण केंद्र स्थापित किए गए हैं। अब तक 41.53 लाख कुंतल भूसा संग्रहित किया जा चुका है, जबकि कुल 60.99 लाख कुंतल भूसा संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने बताया कि इस अभियान में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों का सहयोग सराहनीय है। दान के रूप में प्राप्त भूसे का संग्रह किया जा रहा है और बड़े दानदाताओं को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित भी किया जा रहा है। साथ ही, गोआश्रय स्थलों में उपलब्ध गोबर की खाद किसानों को देकर बदले में भूसा प्राप्त करने की व्यवस्था भी प्रभावी रूप से लागू की गई है।उन्होंने कहा कि प्रदेश के 707 गोआश्रय स्थलों के संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी स्वयंसेवी संस्थाओं, किसान उत्पादक संगठनों और अन्य समितियों को सौंपी गई है।

जमीन हड़पने की साजिश का सनसनीखेज खुलासा : अपहरण कर नशीला पदार्थ पिलाया, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग—दो आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के थाना सुशान्त गोल्फ सिटी क्षेत्र में जमीन कब्जाने के लिए रचे गए एक सुनियोजित आपराधिक षड्यंत्र का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में अपहरण, नशीला पदार्थ पिलाकर अचेत करने, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और जान से मारने की धमकी देकर जमीन हड़पने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।यह कार्रवाई वादिनी रीता सैनी निवासी मोहारीकलां, थाना गोसाईगंज की तहरीर पर पंजीकृत मु0अ0सं0-276/2026 के तहत की गई। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने एक संगठित गिरोह बनाकर उनके पति हरिओम शिव वनमाली को निशाना बनाया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में विशेष टीम गठित की और तकनीकी व मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू

की।जांच के दौरान पुलिस टीम ने सरयू अपार्टमेंट, सुशान्त गोल्फ सिटी में दबिश दी, जहां से मुख्य आरोपी सुनील शुक्ला और उसकी सहयोगी आकांक्षा पाण्डेय को गिरफ्तार किया गया। दोनों को घटना में प्रयुक्त काले रंग की फार्च्यूनर कार (UP32PT2575) सहित हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को संबंधित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की।पूछताछ में सामने आया कि आरोपी "शुभ मंगलम इन्फ्रा" के नाम से जमीन का कारोबार करते हैं और मोहारीकलां गांव में अपनी साइट चला रहे थे। हरिओम शिव वनमाली की जमीन खरीदने के लिए उन्होंने पहले काफी प्रयास किए, लेकिन उनकी पत्नी द्वारा मना किए जाने के बाद आरोपियों ने साजिश रच डाली। उन्होंने गांव के ही राजू और नरेन्द्र कुमार को अपने साथ मिलाकर योजना बनाई।28 अप्रैल 2026 को आरोपियों ने हरिओम को बहाने से बुलवाया और अपनी कार में बैठाकर गोसाईगंज क्षेत्र में ले गए, जहां उसे शराब पिलाई गई। पूरे दिन उसे कार में घुमाने के बाद शाम के समय शराब में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया गया, जिससे वह अचेत हो गया। इसके बाद आरोपी उसे एक गेस्ट हाउस ले गए, जहां उसकी अचेत अवस्था में अश्लील वीडियो और फोटो बनाए गए। योजना के तहत अगले दिन उसे ब्लैकमेल कर जमीन अपने नाम कराने का दबाव बनाना था और बलात्कार के झूठे केस में फंसाने की धमकी देने की तैयारी थी।लेकिन पीड़ित की पत्नी रीता सैनी ने हिम्मत दिखाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी, जिससे पूरा षड्यंत्र उजागर हो गया। पुलिस ने जांच के दौरान संकलित साक्ष्यों के आधार पर कुछ धाराओं में संशोधन करते हुए धारा 248(2) बीएनएस की वृद्धि की है।गिरफ्तार आरोपी सुनील शुक्ला (35 वर्ष) निवासी पटेल नगर, नीलमथा और आकांक्षा पाण्डेय (30 वर्ष) निवासी सरयू एन्क्लेव, सुशान्त गोल्फ सिटी हैं।

09 मई को लखनऊ में राष्ट्रीय लोक अदालत: सस्ता, त्वरित और सुलभ न्याय का अवसर

लखनऊ। जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ मलखान सिंह के मार्गदर्शन में आमजन को सस्ता, त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 09 मई 2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जनपद न्यायालय लखनऊ, कलेक्ट्रेट परिसर तथा जनपद की सभी तहसीलों में एक साथ संपन्न होगा।यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि लोक अदालत विवादों के निस्तारण का एक प्रभावी वैकल्पिक मंच है, जहां मामलों का समाधान आपसी सहमति के आधार पर किया जाता है।

'पेट्रोलियम कीमतों पर नियंत्रण जरूरी', महंगाई पर बसपा प्रमुख मायावती ने केंद्र को दी सलाह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बसपा प्रमुख और यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने महंगाई पर केंद्र को सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि जनता त्रस्त है, पेट्रोलियम कीमतों पर कंट्रोल रखना होगा।

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि देश में कमर्शियल सिलिंडर की भारी कमी के बीच, इनकी कीमत में एक बार में 993 रुपये की बढ़ोतरी और रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर इसके असर से जुड़ी खबरें इलेक्ट्रॉनिक समेत सभी मीडिया की सुर्खियों में हैं। और इस आशंका से कि रसोई गैस, पेट्रोल और डीज़ल समेत दूसरे पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कीमतें भी जल्द ही बढ़ेंगी, लोगों में बहुत बेचैनी है। बसपा सुप्रीमो ने लिखा है कि असली वजह जो भी हो, चाहे ईरान पर अमेरिका-इज़राइल की लड़ाई हो या कुछ और सरकार ने

पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स और ऐसी चीजों की कीमतों को काफी कंट्रोल में रखा था। खासकर राज्यों के विधानसभा चुनावों को देखते हुए। अगर जनता की भलाई और भलाई के लिए अब भी यही पॉलिसी जारी रखी जाती है, तो यह देश की भलाई के लिए सही होगा। दिल्ली में भी नए रेट पर कमर्शियल सिलिंडर की कीमत अब तीन हज़ार रुपये से ज़्यादा हो जाएगी। पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कीमतें इस तरह बढ़ने देने से पहले, अगर सरकार देश के ज़्यादातर गरीब और मिडिल क्लास लोगों पर इसके असर का अंदाज़ा लगा ले, जो पहले से ही महंगाई से परेशान हैं, और फिर अपनी पॉलिसी बनाए, तो यह बेहतर होगा।

करंट लगने से युवक की मौत पर हंगामा, पुलिस-प्रशासन की समझाइश से शांत हुआ प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना महिगवां क्षेत्र के ग्राम पहाड़पुर में करंट लगने से युवक की मौत के बाद शनिवार को तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसे पुलिस और प्रशासन की सक्रियता से समय रहते नियंत्रित कर लिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 01 मई 2026 को ग्राम पहाड़पुर निवासी अमित शर्मा (28 वर्ष) की गांव के ही एक खेत में अवैध रूप से प्रवाहित विद्युत करंट की चपेट में आने से मृत्यु हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही थाना महिगवां पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचायतनामा सहित अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही नियमानुसार पूरी कराई गई।घटना के दूसरे दिन 02 मई 2026 को मृतक के परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने मृतक का शव गांव से बीकेटी रोड स्थित संबंधित पक्ष के घर के सामने रखकर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान मौके पर लगभग 400 से 500 लोगों की भीड़ एकत्र हो गई, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सूचना मिलते ही उच्चाधिकारी पर्याप्त पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से लगातार संवाद स्थापित कर उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने के लिए समझाया। साथ ही लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाह या उकसावे से दूर रहने की अपील की गई।पुलिस और प्रशासन की सूझबूझ और सतत वार्ता के चलते स्थिति पर नियंत्रण पाया गया। बातचीत के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति बन गई, जिसके चलते धरना-प्रदर्शन समाप्त करा दिया गया।

पुलिस-नागरिक संवाद में इमोशनल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने हेतु विशेष कार्यशाला आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा पुलिस और आमजन के बीच संवाद को अधिक संवेदनशील एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए "पुलिस नागरिक संवाद में इमोशनल इंटेलिजेंस की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन रिजर्व पुलिस लाइन स्थित संगोष्ठी सदन में किया गया। यह कार्यक्रम संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) बबलू कुमार तथा पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अमित कुमावत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जबकि इसका संचालन सहायक पुलिस आयुक्त (महिला अपराध/ट्रेनिंग सेल) सौम्या पाण्डेय के पर्यवेक्षण में हुआ।कार्यशाला का

मुख्य उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नागरिकों के साथ संवाद के दौरान भावनात्मक समझ, संवेदनशीलता और व्यवहारिक दक्षता के प्रति प्रशिक्षित करना था। ताकि वे तनावपूर्ण एवं संवेदनशील परिस्थितियों में संयमित, सहानुभूतिपूर्ण और प्रभावी संवाद स्थापित कर सकें। इससे आमजन का पुलिस के प्रति विश्वास और सहयोग मजबूत होने की उम्मीद जताई गई।इस प्रशिक्षण में कुल 81 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। विशेष रूप से थाना स्तर पर तैनात उपनिरीक्षकों एवं महिला हेल्प डेस्क पर कार्यरत महिला आरक्षियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र का संचालन लखनऊ विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंजली मिश्रा और डॉ. हरीम फातिमा नोमानी द्वारा किया गया, जिन्होंने इमोशनल इंटेलिजेंस के विभिन्न आयामों पर विस्तार से जानकारी दी।प्रशिक्षकों ने बताया कि पुलिस कर्मियों के लिए न केवल अपनी भावनाओं को समझना बल्कि आमजन की भावनाओं को भी पहचानना बेहद आवश्यक है। इससे वे संवेदनशील मामलों में संतुलित और प्रभावी निर्णय लेने में सक्षम हो पाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान भावनात्मक संतुलन बनाए रखने, तनावपूर्ण परिस्थितियों में व्यवहार प्रबंधन करने तथा नागरिकों के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करने की तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया।कार्यशाला में इमोशनल इंटेलिजेंस की अवधारणा, पुलिस कार्यप्रणाली में इसकी भूमिका, जनसुनवाई के दौरान सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार, कम्युनिटी पुलिसिंग को सशक्त बनाने के उपाय और शिकायत निस्तारण में संवेदनशील दृष्टिकोण जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही विभिन्न केस स्टडी और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में संवाद कौशल विकसित करने का प्रशिक्षण दिया गया।

कमर्शियल सिलेंडर महंगा होने पर मायावती की चिंता, आमजन पर असर को लेकर सरकार को दी नसीहत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। देश में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में एकमुश्त 993 रुपये की बढ़ोतरी पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी से जुड़ी खबरें इलेक्ट्रॉनिक समेत सभी मीडिया में प्रमुखता से सामने आ रही हैं और इससे आम लोगों में बेचैनी का माहौल बन गया है।उन्होंने आशंका जताई कि जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल और डीज़ल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे आमजन का आर्थिक बोझ और बढ़ेगा। मायावती ने कहा कि देश पहले से ही महंगाई से जूझ रहा है और ऐसे में इस प्रकार की मूल्य वृद्धि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है।मायावती ने अपने बयान में कहा कि इस बढ़ोतरी के पीछे चाहे अंतरराष्ट्रीय कारण हों, जैसे अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव, या अन्य कोई वजह, लेकिन सरकार को जनहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जिस प्रकार विधानसभा चुनावों के दौरान पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित रखा गया था, उसी नीति को वर्तमान में भी जारी रखा जाना चाहिए।उन्होंने विशेष रूप से राजधानी दिल्ली का उल्लेख करते हुए कहा कि नई दरों के अनुसार वहां कमर्शियल सिलेंडर की कीमत लगभग तीन हजार रुपये से अधिक हो जाएगी, जो छोटे कारोबारियों और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव डालेगी।मायावती ने सरकार से अपील की कि वह पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी से पहले उसके व्यापक सामाजिक और आर्थिक प्रभाव का गंभीरता से आकलन करे और ऐसी नीतियां बनाए, जिससे आम जनता को राहत मिल सके।

"जीरो वेस्ट बड़ा मंगल" की पहल: स्वच्छता और परंपरा को साथ लेकर चलने की अपील

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ज्येष्ठ माह में आयोजित होने वाले बड़े मंगल के पावन अवसर को इस वर्ष स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के उद्देश्य से नगर निगम ने विशेष पहल की है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शहरवासियों और भंडारा आयोजकों से "जीरो वेस्ट बड़ा मंगल भंडारा" आयोजित करने की अपील करते हुए कहा कि लखनऊ की यह परंपरा चार सौ वर्षों से अधिक पुरानी है और सेवा, समर्पण तथा सामाजिक एकता की मिसाल रही है।

अब समय है कि इसे पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़कर और अधिक आदर्श बनाया जाए।नगर आयुक्त ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच लगने वाले इन भंडारों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद और जल ग्रहण करते हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि आयोजन पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल हों। उन्होंने आयोजकों से प्लास्टिक और थर्माकोल के उपयोग से बचने तथा पत्तल और मिट्टी के कुल्हड़ों का प्रयोग करने की अपील की, जिससे परंपरा के साथ-साथ प्रकृति का भी संरक्षण हो सके।

महापौर सुषमा खर्कवाल के निर्देश पर नगर निगम ने भंडारा आयोजकों के लिए पंजीकरण अनिवार्य किया है। आयोजकों से कहा गया है कि वे अपने कार्यक्रम की सूचना कम से कम 24 घंटे पहले नगर निगम के कंट्रोल रूम नंबर 1533 पर दें। इसके साथ ही लखनऊ वन ऐप के "स्वच्छ जीरो वेस्ट" विकल्प के माध्यम से भी पंजीकरण किया जा सकता है। इससे सफाई और कचरा प्रबंधन में बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा जलकल विभाग द्वारा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था भी भंडारा स्थलों पर सुनिश्चित की जाएगी।ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण को लेकर भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि लाउडस्पीकर का उपयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप और तय समय सीमा के भीतर ही किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कचरा प्रबंधन को इस अभियान की सफलता का प्रमुख आधार बताते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि भंडारा स्थलों पर गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन लगाए जाएं। श्रद्धालुओं को भी जागरूक किया जाए कि वे भोजन के बाद कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें। इसके लिए स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया है, जो व्यवस्था बनाए रखने के साथ लोगों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करेंगे।नगर आयुक्त ने यह भी सुझाव दिया कि भंडारा स्थलों पर जागरूकता से जुड़े संदेशों वाले पोस्टर लगाए जाएं, जैसे "हनुमान जी की सच्ची भक्ति स्वच्छता में है" और "उतना ही लें थाली में, जो न जाए नाली में", जिससे लोगों में जिम्मेदारी की भावना विकसित हो और भोजन की बर्बादी रोकी जा सके।नगर निगम द्वारा इस पहल को सफल बनाने के लिए क्षेत्रवार जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे और विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। भंडारों के दौरान निरीक्षण भी किया जाएगा और नियमों का पालन न करने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, विभिन्न जोनों में "आदर्श भंडारा" प्रतियोगिता का आयोजन कर बेहतर व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा।नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। यदि सभी मिलकर "जीरो वेस्ट बड़ा मंगल भंडारा" की इस पहल को अपनाते हैं, तो लखनऊ को स्वच्छ और सुंदर बनाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा। नगर निगम ने स्वच्छता संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं, जिन पर संपर्क कर नागरिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। अंत में नगर आयुक्त ने अपील की कि जहां भी भंडारा आयोजित किया जा रहा हो, उसकी पूर्व सूचना अवश्य दें, ताकि नगर निगम द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जा सकें।

मजदूर दिवस पर गैस सिलेंडर महंगा : संजय सिंह का केंद्र पर हमला, कहा—जनता की जेब पर डाका

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। संजय सिंह ने मजदूर दिवस के अवसर पर गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव खत्म होते ही भाजपा सरकार ने अपनी असलियत दिखाते हुए गरीबों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों पर आर्थिक बोझ डाल दिया है।संजय सिंह ने कहा कि पूरे चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री और भाजपा नेता महंगाई कम करने और गरीबी दूर करने के नाम पर जनता को गुमराह करते रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों के बीच जाकर संवेदना दिखाना, उनके साथ भोजन करना या छोटे-छोटे प्रतीकात्मक कदम उठाना केवल एक राजनीतिक रणनीति थी, जिसका उद्देश्य वोट हासिल करना था।उन्होंने कहा कि चुनाव समाप्त होते ही सरकार का असली चेहरा सामने आ गया। मजदूर दिवस जैसे महत्वपूर्ण दिन पर 5 किलो के गैस सिलेंडर की

कीमत में 261 रुपये की वृद्धि कर दी गई, जिससे झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग, मजदूर और छात्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे। ये वर्ग अपनी दैनिक जरूरतों के लिए छोटे सिलेंडर पर ही निर्भर रहते हैं।संजय सिंह ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये की बढ़ोतरी को भी गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इसका सीधा असर छोटे दुकानदारों, ठेले वालों और चाय विक्रेताओं पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय छोटे कारोबारियों की कमर तोड़ने वाला है और इससे बाजार में महंगाई और तेज़ी से बढ़ेगी।उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों को गरीब और मजदूर विरोधी बताते हुए कहा कि भाजपा चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन चुनाव खत्म होते ही उन्हीं लोगों पर आर्थिक बोझ डालती है। यह जनता के साथ विश्वासघात है।संजय सिंह ने नागरिकों से अपील की कि वे सरकार के वादों और नीतियों का गंभीरता से मूल्यांकन करें और सतर्क रहें, ताकि भविष्य में इस तरह के धोखे से बचा जा सके।

ईरान युद्ध से अमेरिका चतुराई से एग्जिट हो गया और हॉर्मूज ईरान की गले की फांस बन गया है

युद्ध से सम्मानजनक एग्जिट हो गया अमेरिका और पाकिस्तान ने बिचौलिया बन कर ईरान को हॉर्मूज में फंसा दिया अब ईरान बिलबिला रहा है क्योंकि हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र पर जो ब्लैक मेलिंग अमेरिका कर रहा था। वह अमेरिका करने लगा है और ईरान की पूरी इकॉनमी ध्वस्त होती जा रही है। ईरान की लीडरशिप में बिखराव की खबरें आ रही है।

उसकी तेल के संयंत्र निकासी या सप्लाई न होने के कारण बंद हो सकते हैं क्योंकि ईरान के पास स्टोरेज क्षमता तीस लाख बैरल की है ।वह पूरी भर चुकी है इस लिए उत्पादन बंद करने की नौबत आ गई है। पाकिस्तान और अमेरिका ने बड़ी चतुराई से युद्ध सीज फायर किया और एक सप्ताह में पहले दौर की बातचीत करली। बातचीत असफल हो गई तो अमेरिका ने एक तरफ से युद्ध बंद कर एग्जिट कर लिया।

जिस हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र हथियार से ईरान ने खाड़ी देशों और भारत पाकिस्तान चाइना, सहित 75 देशों को गैस, क्रूड ऑयल के तरसा दिया था और वही हॉर्मूज गले की हड्डी बन गया है। क्योंकि अमेरिका ने हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र की नाके बंदी करदी है। इससे ईरान के बंदरगाहों से तेल टैंकरों से तेल नहीं निकल रहा है। हालांकि परेशान खाड़ी देश भी है कि उनकी दो महने में इकॉनमी समाप्त हो गई है।

वे भी अपना तेल नहीं बेच पा रहे हैं। यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने पहली बार ईरान अमेरिका युद्ध में राहत की सांस ले रहे हैं क्योंकि ईरान अब हॉर्मूज खोलने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष गिड़गिड़ा रहा है।

अगर यही हालत रहे तो ईरान के तेल रिफाइनरी और पंपिंग को बंद करना पड़ सकता है और पंपिंग स्टेशन बंद हुए तो समुद्र का पानी उसमें भर सकता जिससे ईरान को अरबों डॉलर का नुक्सान हो सकता है।जहां तक समझते की बात है अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान, रूस को कह दिया कि ईरान जब तक परिशोधित यूरेनियम 440 द्यद उसे सौंपता नहीं है तब तक हॉर्मूज में नाके बंदी समाप्त नहीं होगा। इससे ईरान की लीडरशिप दौड़ी दौड़ी फिर रही है।

दूसरी ओर विश्व बिरादरी ने ऊर्जा,गैस, पेट्रोल के लिए अर्जेंटीना, मोरक्को का रुख कर लिया है।साउथ अफ्रीका ने अमेरिका से तेल लेना स्वीकार कर लिया। अमेरिकी रक्षा मंत्री रोबियो ने ईरान से कहा कि हॉर्मूज समुद्री क्षेत्र पर कोई बातचीत तब तक नहीं होगी जब तक परिशोधित यूरेनियम सौंपा नहीं जाता है।

यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि उसे कोई जल्दी नहीं है।ईरान के कट्टर पंथी नेता और मौजसफा खमनोई इस बात कतई तैयार नहीं कि ईरान अमेरिका को यूरेनियम सौंप दे।

इस लिए ईरान की लीडरशिप में मतभेद है। लेकिन इतना तय है कि ईरान को इस युद्ध से सम्मानजनक कुछ नहीं मिल सकता क्योंकि अगर परिशोधित यूरेनियम ही सौंपना था तो युद्ध से पहले ही समर्पण अधिक ठीक रहता था कम से कम लीडरशिप और बुनियादी ढांचे को नष्ट होने से बचाया जा सकता था।युद्ध से पहले अमेरिका संस्टिंस हटा सकता था और खाड़ी देशों में फ्रिज 7 अरब डॉलर को रिहा कर सकता था। ईरान का ये कुटनीतिज्ञ सफलता है।जबकि अमेरिका एक समय घुटनों पर आ गया था मगर पाकिस्तान ने मिस गाइड कर उससे युद्ध विराम कर वा दिया।

अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की सियासी कमर तोड़कर निरंतर आगे बढ़ रही है भाजपा, मजबूत हो रहा एनडीए

कमलेश पांडे

ऐसा उलटफेर करके भाजपा/एनडीए कई राज्यों में अपनी पकड़ बढ़ाते दिख रहे हैं। खासकर उत्तरपूर्वी, दक्षिणी और जम्मूकश्मीर जैसे राज्यों में, जो उसकी बड़ी सफलता है।

भारतीय जनता पार्टी अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की सियासी कमर तोड़कर निरंतर आगे बढ़ रही है। इससे भाजपा नीत एनडीए का कुनबा भी लगतार मजबूत हो रहा है। देश के मतदाता भी जातीय और भाषाई प्रतिद्वंद्विता से ऊपर उठकर धुर मुस्लिम तुष्टिकरण की चुनावी राजनीति की बखिया उघेड़ रहे हैं, जबकि फ्रीबिज की घोषणाओं पर अब भी मतदाता फिदा हैं। 29 अप्रैल को देश के पांच राज्यों—पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी—के विधानसभा चुनावों के जो एग्जिट पोल आए, उससे भी इसी बात के संकेत मिल रहे हैं। इससे भाजपा और उसके एनडीए साथियों की बल्ले बल्ले है।

वैसे तो अंतिम परिणाम 4 मई को ही आएंगे, लेकिन अब मीडिया की सजगता से अधिकांश एग्जिट पोल के औसत सत्य के निकट होते हैं।लिहाजा यदि एग्जिट पोल सही होते हैं तो इससे जो बड़ा राजनीतिक निष्कर्ष निकलकर सामने आया है, वह यह है कि देश की राजनीति में भाजपा के बेहतर प्रदर्शनों के बावजूद क्षेत्रीय दल अभी भी मजबूत स्थिति में हैं, क्योंकि देश पर 12 वर्षों से शासन कर रही भाजपा, बहुतेरे प्रशासनिक मामलों में कांग्रेस और समाजवादियों की राजनीतिक नकल करके और जरूरत के मुताबिक हिंदुत्व के चोलों को उतार फेंककर उन राज्यों में भी अव्वल प्रदर्शन करती दिखाई दे रही है, जहां अल्पसंख्यक मुस्लिम और ईसाई वोट अबतक निर्णायक रहते आये हैं।

ऐसा उलटफेर करके भाजपा/एनडीए कई राज्यों में अपनी पकड़ बढ़ाते दिख रहे हैं। खासकर उत्तरपूर्वी, दक्षिणी और जम्मूकश्मीर जैसे राज्यों में, जो उसकी बड़ी सफलता है। इससे आम चुनाव 2029 में भी उसे राजनीतिक फायदा मिलेगा, क्योंकि भाजपा समेत एनडीए को इससे नई सोच और नई ऊर्जा मिलेगी। जबकि इंडिया गठबंधन की आपसी रस्साकशी उन्हें 2024 की आंशिक सफलता के बाद निरंतर कमजोर करते हुए रसातल की ओर ले जा रही है। इससे कांग्रेस सुप्रीमो राहुल गांधी को राजनीतिक सबक लेनी होगी, क्योंकि वर्ष 2027 और 2028 में भी दर्जनाधिक राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

यदि राजनीतिक बारीकीपूर्वक इन एग्जिट पोल्स से संकेतों को पढ़ा जाए तो स्पष्ट दिखाई दे रहा हैं कि उत्तर भारत, पश्चिम भारत, मध्य भारत, पूर्वी भारत में मजबूत सियासी पैठ बना चुकी भाजपा अब उत्तर-पूर्व समेत पूर्वी भारत में अपना विस्तार बनाए हुए है। जबकि दक्षिण भारत में भी अपने विरोधियों को राजनीतिक रूप से तोड़ने में वह सफल हो चुकी है। तमिलनाडु में डीएमके और केरल में एलडीएफ का कमजोर होकर सत्ता गंवाने की ओर बढ़ना यह सियासी चुगली कर रहा है कि जल्द ही भाजपा दक्षिण भारत में भी उसी तरह का करिश्मा करेगी, जैसा कि उसने उत्तर-पूर्व के असम और त्रिपुरा में किया है, जबकि पूर्वी भारत के पश्चिम बंगाल में करने जा रही है। इसी प्रकार तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना आदि उसकी पकड़ में जल्द आएंगे। वहीं कर्नाटक में तो वह मजबूत है ही और आंध्रप्रदेश में एनडीए की सरकार है।

यह बात दीगर है कि अपने सियासी गर्दिश के दिनों में भी कांग्रेस दक्षिण भारत, खासकर केरल में पुनर्जीवन के संकेत दे रही है। ऐसा पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर के पुनः कांग्रेस के खेमे में सटने से हुआ। वहीं, क्षेत्रीय दल—डीएमके, टीएमसी आदि—अब भी अपने-अपने राज्यों में थोड़ा कमजोर होने के बावजूद निर्णायक बने हुए दिखाई दे रहे हैं। लिहाजा, 2029 लोकसभा चुनाव की दिशा में ये चुनाव "राष्ट्रीय बनाम क्षेत्रीय राजनीति" की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। दक्षिण भारत में भाजपा अभी भी पूर्ण प्रभुत्व से दूर दिख रही है, जबकि बंगाल उसका सबसे बड़ा विस्तार क्षेत्र बना हुआ है। पुडुचेरी में भी एनडीए मजबूत हुआ है।

चूंकि 2027 और 2028 में भी कई महत्वपूर्ण राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिन पर इन पांच राज्यों के चुनावी फलाफल का असर पड़ेगा। 2027 में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, उनमें उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात जैसे अहम राज्य शामिल हैं। वहीं, 2028 में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं, उनमें कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम जैसे महत्वपूर्ण राज्य शामिल हैं। चूंकि इन चुनावों की अंतिम तिथियाँ भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के अनुसार तय होंगी, इसलिए कार्यक्रम में बदलाव संभव है।

इसलिए मौजूदा चुनावी एग्जिट पोल के कतिपय मुख्य निष्कर्ष निम्नलिखित हैंः पहला, असम में भाजपा मजबूत हुई है, क्योंकि एग्जिट पोल भाजपा-एनडीए को लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत देते दिख रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि हिमंता विश्व सरमा की नेतृत्व शैली और भाजपा का पूर्वोत्तर मॉडल अभी भी प्रभावी है।

दूसरा, भाजपा की रणनीति से पुडुचेरी में भी एनडीए को फायदा होता हुआ नजर आ रहा है, क्योंकि एग्जिट पोल एनडीए की वापसी दिखा रहे हैं। यहां भाजपा ने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर अपना आधार मजबूत किया है।

तीसरा, पश्चिम बंगाल में टीएमसी और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर के बीच भाजपा को बढ़त मिलने के स्पष्ट आसार नजर आ रहे हैं। क्योंकि अधिकांश एग्जिट पोल में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच बेहद करीबी मुकाबला दिखाया गया है। वहीं कुछ सर्वे यानी 5 में से 4 भाजपा को सीधी बढ़त दे रहे हैं, जबकि कुछ ममता बनर्जी की वापसी बता रहे हैं। इसका मतलब है कि बंगाल में सत्ता विरोधी लहर और ध्रुवीकरण दोनों साथ-साथ काम कर रहे हैं। चूंकि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के तहत लाखों वोटरों के नाम हटाने को लेकर विवाद है, जिसे भाजपा ने बोगस वोट हटाने के रुप में सही ठहराया है, जबकि टीएमसी ने इसे अपने वोटरों को हटाने की साज़िश बताया है। रुझानों के मुताबिक, महिलाओं ने ममता बनर्जी पर पुनः भरोसा जताया है,जो टीएमसी की बड़ी ताकत है।

चौथा, तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति कायम, लेकिन नया मोड़ आने के आसार, क्योंकि टीवीके मजबूती से उभरी है और राज्य की सत्ता पाने के करीब पहली बार में ही पहुंच चुकी है। भले ही अधिकांश सर्वे डीएमके गठबंधन की वापसी का संकेत दे रहे हैं, लेकिन अभिनेता विजय (Vijay) की पार्टी टीवीके (TVK) को बड़ी ताकत के रूप में उभरता दिखाया गया है। इसका मतलब है कि एआईडीएमके (AIDMK) का सहयोग टीवीके (TVK) को तमिल राजनीति में मिला तो एक नया राजनीतिक ध्रुव भी बन सकता है।

पांचवां, केरल में कांग्रेस गठबंधन की वापसी से इंडिया गठबंधन को कुछ राहत मिल सकती है। चूंकि लगभग सभी एग्जिट पोल कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ को बढ़त दे रहे हैं। इसलिए यह संकेत मिलता है कि वाम मोर्चे की लगातार दो कार्यकाल वाली सरकार के खिलाफ सत्ता परिवर्तन की भावना बनी है। इससे कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ को फायदा मिला, जो कांग्रेस के राजनेता शशि थरूर की बड़ी उपलब्धि है।

टिप्पणी

चिंगारी पड़ते ही लपटें

सरकार ने उलझे हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उसने समस्या को महज कानून-व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी कामयाबी नहीं मिली है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं।

मणिपुर में हालात लगातार इतने सुलगे हुए हैं कि कोई भी चिंगारी पड़ते ही लपटें उठने लगती हैं। बिशुनपुर जिले में मंगलवार को बम फेंके जाने की घटना के बाद यही हुआ। बम एक आम परिवार के घर पर फेंका गया, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। उसके बाद भड़की भीड़ ने जगह- जगह सुरक्षा ठिकानों सहित अन्य स्थलों को निशाना बनाया। उन पर हुई पुलिस कार्रवाई में दो और लोग मारे गए। पांच जिलों में कर्फ्यू लगाते हुए इंटरनेट बंद करना पड़ा। बम संभवतः कुकी उग्रवादियों ने फेंका, जिसका शिकार मैतेई परिवार बना।

बाद में विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए दोनों व्यक्ति मैतेई समुदाय के ही हैं। इन घटनाओं ने फिर जाहिर किया है कि मणिपुर में हालात लगातार असामान्य बने हुए हैं। बल्कि मई 2023 में हिंसा शुरू होने के बाद से वहां मैतेई और कुकी समुदायों के बीच खाई लगातार चौड़ी होती गई है। इससे पूरे राज्य में अविश्वास का माहौल है। केंद्र और राज्य सरकारों ने उलझते गए हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उन्होंने समस्या को महज कानून- व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी प्रशासन कामयाब नहीं हुआ है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं। वैसे जहां अशांति की जड़ में दो समुदायों के बीच जारी तनाव हो, वहां कानून- व्यवस्था संबंधी उपायों से सामान्य स्थिति बहाल नहीं की जा सकती।

इस मोर्चे पर सत्ताधारी दल या किसी अन्य राजनीतिक पक्ष ने जमीनी पहल नहीं की है। आवश्यकता दोनों में समुदायों के बीच संवाद बनाने और सद्भाव पैदा करने की है, ताकि उनमें एक- दूसरे के प्रति गहराते गए वैर भाव को दूर करने का रास्ता निकले। फिलहाल सूरत यह है कि कुकी संगठन अलग प्रदेश की मांग पर अड़े हुए हैं। उन्हें नहीं लगता मैतेई बहुल मणिपुर में वे सुरक्षित रह पाएंगे। केंद्र ने मणिपुर में मुख्यमंत्री बदल कर नई सरकार में कुकी विधायकों को नुमाइंदगी देते हुए मसले का हल निकालने की कोशिश की। लेकिन उससे बात नहीं बनी है। अतः अब ऐसी जमीनी पहल की जरूरत है, जिसमें दोनों पक्षों का भरोसा और भागीदारी हो।

ब्लॉग

करुणा और अहिंसा के विचारों से गौतम बुद्ध हुए ग्लोबल, लेकिन भारत में देसी तत्व ही गायब

शंभूनाथ शुक्ल

अकेले गौतम बुद्ध ही ऐसी भारतीय हस्ती हैं, जिनकी प्रतिष्ठा सुदूर अमेरिकी देशों में भी है। उनके विचारों को वहां ले जाने वाले कोई अरबी या यूरोपीय सौदागर नहीं थे बल्कि उनकी करुणा और अहिंसा पर उनके विचारों ने उन्हें विश्व व्यापी बनाया। उन देशों में भी बुद्ध की प्रतिमाएं बिकती मिलती हैं, जिनके यहां बुत परस्ती सबसे बड़ा गुनाह है। और उनके यहां भी जहां आज से सौ साल पहले तक शायद ही कोई भारतीय पहुंच सका हो।

बुद्ध किसी राजनीतिक या सामरिक दर्शन का उपदेश देने वाले महात्मा नहीं थे न ही उन्होंने अपने अनुयायी बनाए। उन्होंने अपने मार्ग पर चलने के लिए किसी को बाध्य नहीं किया। वे जीवन दर्शन के प्रणेता थे। मनुष्य अपने जीवन के कष्टों, दुखों से कैसे मुक्ति पाए, बस यही उनके उपदेश थे। किसी भी ईश्वर, अल्लाह या गॉड की जरूरत मनुष्य को नहीं है। उसकी जरूरत है जीवन को सम्यक बनाने की। उन्होंने कहा था, अपना रास्ता स्वयं बनाओ, अप्प दीपो भव!

ईश्वर से यह दूरी आम जनता को उनके निकट लाती है। यही कारण है कि अकेले एशिया में ही नहीं वरन् उनका चरित्र तमाम समुद्रों को लांघ कर अमेरिका पहुंचा। मांट्रियाल की एक छोटी और परंपरागत स्ट्रीट में मैंने बुद्ध की प्रतिमा को बिकते हुए पाया और टोरोंटो तथा वैंकूवर में भी। कैलिफोर्निया में तो लोग बड़ी संख्या में बुद्ध को अपना रहे हैं। उनकी प्रतिमा जिस दुकान में रखी थी, उसका मालिक कोई भारतीय नहीं बल्कि एक गोरा था।

उन इलाकों में बौद्ध प्रतिमाएं मिलती हैं, जहां बुद्ध का दर्शन नहीं पहुंचा। सम्राट अशोक के बारे में बस इतनी ही कथा है कि बौद्ध बनने के बाद उसने अपने पुत्र और पुत्री को सिंहल द्वीप (श्रीलंका) में बुद्ध के उपदेशों का प्रचार करने भेजा। बाद में यह दर्शन तिब्बत पहुंचा और फिर चीन तक इसकी ख्याति पहुंची। उस दौरान दो चीनी यात्री भारत आए। पहला फाह्यान जो पांचवीं सदी में भारत आया और दूसरा ह्वेनसांग उसके 200 साल बाद आया।

इन दोनों यात्रियों ने बौद्ध ग्रंथों का गहरा अध्ययन किया। किंतु ह्वेनसांग नालंदा गया और संस्कृत सीखी तथा बौद्ध ग्रंथों की विधिवत पढ़ाई की। उसने अपनी यात्रा के बारे में लिखा भी है किंतु फाह्यान ने भारत में बौद्ध काल पर अधिक नहीं लिखा। उसने बौद्ध ग्रंथों की पढ़ाई अवश्य की। वह जब 399 ईस्वी में भारत आया और 414 ईस्वी तक यहां रहा। वह कुछ बौद्ध धार्मिक स्थलों पर भी गया मगर उसने बौद्ध दर्शन या साहित्य पर कुछ नहीं लिखा।

उस समय भारत में गुप्त वंश का राज था और तब तक यहां बौद्ध धर्म कमजोर पड़ने लगा था और महायान संप्रदाय में वह विभाजित हो चुका था। इसके बाद ह्वेनसांग आया। उसका मकसद ही बौद्ध दर्शन को पूरी तरह समझ कर प्रचार करना था। वह 629 ईस्वी में भारत पहुंचा और सुदूर अफगानिस्तान तक की यात्राएं कीं। उस समय भारत में सम्राट हर्षवर्धन का राज था। निजी तौर पर उनकी आस्था बौद्ध धर्म में थी लेकिन ब्राह्मण धर्म भी तब खूब उफान पर था।

ह्वेनसांग के बुद्ध हर्ष के समय बौद्ध ग्रंथ भी संस्कृत में लिखे जाने लगे थे और पाली आदि भाषाएं बस कुछ क्षेत्रों तक सीमित हो गईं। भारत का अभिजात्य वर्ग संस्कृत ही पढ़ता था। इसलिए ह्वेनसांग ने संस्कृत सीखी और नालंदा जा कर बौद्ध ग्रंथों का विशद अध्ययन किया। उसने खैबर दर्रे का रास्ता पकड़ा। वह बामियान भी गया, जहां अभी कुछ वर्षों पूर्व तालिब समूहों ने बुद्ध की प्रतिमा तोड़ दी थी। लेकिन ह्वेनसांग ने वहां 18हजार भिक्षुओं का वर्णन किया था।

इसके बाद वह आज का पाकिस्तान घूमा और पंजाब होते हुए कान्यकुब्ज पहुंचा। इसके बाद नालंदा और फिर बंगाल के तट से लौट गया। ह्वेनसांग ने चीन में बौद्ध दर्शन का प्रचार प्रसार भी किया। हालांकि तब तक वहां बौद्ध भिक्षु बड़ी संख्या में रहते थे। पर चीन का कन्फ्यूशियस दर्शन भी बौद्धों के दर्शन जैसा ही था और उसका समय भी वही था जो गौतम बुद्ध का था।

एक तरह से ईस्वी से पांच शताब्दी पूर्व लोग जीवन से कष्टों को दूर करने के लिए पूर्व की धारणाओं से विद्रोह करने लगे थे। इसलिए भारत में वैदिक दर्शन के विरुद्ध माहौल बन रहा था। उपनिषद काल इसी का द्योतक है। उपनिषद काल से ही लोग हिंसा के खिलाफ एकजुट हो रहे थे। वैदिक दर्शन के विपरीत आत्मा की बात होने लगी थी जो हिंसा और खून खराबे से दुखी होती थी।

चार्वाक जिन्हें आजीवक कहा जाता था, इसी के प्रमाण हैं। इनके बाद जैन दर्शन के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर ने आत्मा के अस्तित्त्व को स्वीकार किया किंतु अहिंसा पर सख्ती से जोर दिया। पशु बलि की प्रथा का विरोध शुरू हुआ तथा मनुष्यों के बीच भेद का। उनके बाद के दार्शनिक गौतम बुद्ध ने पूरा माहौल ही बदल दिया। उन्होंने सम्यक मार्ग का उपदेश दिया। जिसमें न ईश्वर था न आत्मा न पुनर्जन्म। लेकिन बुद्ध के दर्शन भारत में स्थायी रूप से घर नहीं कर पाया।

हालांकि कहा जाता है कि भगवान बुद्ध ने स्वयं अपने शिष्य आनंद से कहा था, मेरा चलाया हुआ धर्म केवल 500 साल ही चलेगा! रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी पुस्तक संस्कृति के चार अध्याय में लिखते हैं कि गौतम बुद्ध की भविष्यवाणी पूरी तरह तो सच नहीं हुई किन्तु आंशिक रूप से हो गई। बुद्ध के दर्शन से महायान संप्रदाय विभक्त हुआ। इसमें हिंदू कर्म कांड और पूजा पद्धतियां स्थान पा गईं।

सम्यक दर्शन के मार्ग पर चलने की कोशिश में यह धर्म एक बड़ी नौका (महायान) में सवार होते ही खत्म होता गया। बुद्ध ईश्वर के संदर्भ में चुप साध गए थे किंतु महायान ने बुद्ध को ही ईश्वर बता दिया। बुद्ध देवी-देवताओं के बारे में मौन रहे लेकिन महायान वालों ने बौद्ध धर्म के भीतर ही अनेक देवी देवता बना डाले। बुद्ध ने अपने उपदेशों के लिए लोक भाषा पाली का उपयोग किया किंतु महायान ने संस्कृत को अपना लिया।

हिंदू धर्म के निकट जाता बौद्ध दर्शन धीरे-धीरे खुद को भारत में लुप्त करता गया। अंतिम प्रहार शंकराचार्य ने किया और बौद्ध धर्म ग्लोबल तो बन गया पर उसका देशी तत्त्व खत्म हो गया। तिब्बत के माध्यम से जो बौद्ध धर्म विश्व में गया उसमें उनका दर्शन कम बुतपरस्ती अधिक रही। इसलिए बुद्ध अब विदेश में मिलते हैं परंतु भारत में वे अलग-अलग रूपों में दिखते हैं।

19वीं शताब्दी में बुद्ध अमेरिका पहुंचे तो वहां उनके मूल रूप को स्वीकार किया, जिसमें न ईश्वर था न आत्मा। इसीलिए USA, कनाडा, मैक्सिको, ब्राजील आदि देशों में लोग तेजी से बौद्ध धर्म में जा रहे हैं। इसके विपरीत भारत में आज भी बौद्ध धर्म में महायान संप्रदाय का प्रभाव अधिक है। इसलिए यहां उनकी पूजा तो होती है किन्तु उनके सम्यक दर्शन को प्रतिष्ठा दिलाने को लोग आतुर नहीं दिखते।

55000 महीना थी सैलरी... चपरासी ने फिर 8 सालों में कैसे बना लिए 8 करोड़ रुपये? दिमाग हिला देगी ये कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने भ्रष्टाचार और रंगीनमिजाजी की सारी हदें पार कर दी हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) कार्यालय में तैनात एक मामूली चपरासी इल्हाम उर रहमान शम्सी ने अपनी लग्जरी लाइफ और तीन पत्नियों के शौक पूरे करने के लिए सरकारी खजाने में ऐसी सेंध लगाई कि बड़े-बड़े घोटालेबाज भी हैरान रह जाएं। उसने 8 सालों में सरकारी खाते से 8 करोड़ बना डाले। वो भी फर्जी तरीके से। इल्हाम उर रहमान शम्सी चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी है, जिसकी मासिक तनख्वाह करीब 55,000 रुपये है।

इस हिसाब से उसकी एक साल की कुल वैध आय लगभग 6,60,000 रुपये होती है। 8 साल

की सेवा के दौरान उसकी कुल सैलरी बमुश्किल 80 लाख रुपये के आसपास पहुंचती है। लेकिन, इल्हाम के बैंक खातों और संपत्तियों की जांच ने होश उड़ा दिए। महज 8 सालों में उसने 8 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक की हेराफेरी की। यानी अपनी कुल सैलरी से 10 गुना ज्यादा पैसा उसने केवल अवैध तरीके से कमाया। जांच में सामने आया कि उसने अकेले एक साल के भीतर ही करोड़ों रुपये का ट्रांजैक्शन कर डाला।

फर्जी टीचर और बाबू बनाकर लूटा खजाना

इल्हाम ने अपनी चतुराई से DIOS कार्यालय में वेतन बिल और टोकन जनरेशन का काम अपने हाथ में ले लिया था। इसी का फायदा उठाकर उसने एक खौफनाक सिंडिकेट बनाया। उसने अपनी तीनों पत्नियों (अर्शी, लुबना, अजारा), साली, सास और अन्य रिश्तेदारों को कागजों पर फर्जी तरीके से टीचर, लिपिक और ठेकेदार बना दिया। ट्रेजरी ऑफिस की बारीकियों का जानकार होने के नाते उसने फर्जी बेनेफिशियरी आईडी तैयार कीं। वह असली शिक्षकों के नाम पर बिल बनाता था, लेकिन पैसा अपने रिश्तेदारों के अकाउंट नंबर पर ट्रांसफर कर देता था।

7 महिलाएं गिरफ्तार, मुख्य आरोपी फरार

घोटाले का खुलासा तब हुआ जब बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर ने संदिग्ध ट्रांजेक्शन को लेकर डीएम को पत्र लिखा। इसके बाद हुई जांच में इल्हाम के काली कमाई के साम्राज्य का पर्दाफाश हो गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इल्हाम की दो पत्नियों, साली, सास और अन्य महिला मददगारों सहित 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पहली पत्नी अर्शी पहले ही जेल जा चुकी है। एडिशनल एसपी विक्रम दहिया के मुताबिक, अब तक 5 करोड़ 50 लाख रुपये फ्रीज कराए जा चुके हैं। इल्हाम ने इस पैसे से गाजियाबाद, बिजनौर और अलीगढ़ जैसे शहरों में महंगे फ्लैट और जमीनें भी खरीदी थीं। फिलहाल मुख्य आरोपी इल्हाम फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

53 खाते और 98 ट्रांजेक्शन: ऐसे फैलाया मायाजाल

पुलिस और प्रशासन की जांच में अब तक 53 संदिग्ध बैंक खाते मिले हैं। इल्हाम ने कुल 98 ट्रांजेक्शन के जरिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की राशि इधर-उधर की।

दूसरी पत्नी लुबना : 2।37 करोड़ रुपये
तीसरी पत्नी आजरा खान : 2।12 करोड़ रुपये
पहली पत्नी अर्शी : 1।15 करोड़ रुपये
साली फातिमा : 1।03 करोड़ रुपये
सास नाहिद : 95 लाख रुपये

दामाद संग भागी 8 बच्चों की मां, 12 साल पहले भी किया था कांड, सदमे में पति बोला- सास थी वो उसकी

आर्यावर्त क्रांति

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से रिश्तों की मर्यादा को तार-तार कर देने वाला एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके के लोगों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया है। अलीगढ़ का सास-दामाद वाला मामला तो याद है ना? आगरा से भी अब ऐसा ही कुछ केस सामने आया है। अछनेरा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक महिला, जो खुद आठ बच्चों की मां है, अपने ही दामाद के साथ फरार हो गई। हैरानी की बात यह है कि दामाद भी पांच बच्चों का पिता है। इस घटना के बाद से दोनों के परिवार और पूरे गांव में सनसनी फैली हुई है।

जानकारी के मुताबिक, यह पूरी घटना एक पारिवारिक शादी समारोह के दौरान शुरू हुई। आरोपी दामाद अपनी ससुराल आया हुआ था। दोपहर के वक्त उसने अपनी सास को घर के पीछे बने खेत में मेहंदी तोड़ने के बहाने बुलाया। कुछ देर तक जब दोनों वापस नहीं आए, तो परिवार के कुछ सदस्य वहां पहुंच गए। आरोप है कि परिजनों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया, जिसके बाद घर में हड़कंप मच गया। पकड़े जाने के डर और शोर-शराबा होने पर दामाद अपनी सास को बाइक पर बैठाकर मौके से रफूचक्कर हो गया।

12 साल पुरानी है यह प्रेम कहानी

यह पहली बार नहीं है जब इस सास-दामाद की जोड़ी ने समाज की बेड़ियों को तोड़ा हो। बताया जा रहा है कि इस परिवार के दो सगे भाइयों की शादी दो सगी बहनों से हुई थी। शादी के करीब तीन साल बाद ही बड़े दामाद और उसकी सास के बीच नजदीकियां बढ़ गई थीं और वे करीब 12 साल पहले भी घर छोड़कर भाग गए थे। उस समय काफी तलाश के बाद उन्हें दिल्ली की एक कंपनी से पकड़कर वापस लाया गया था। तब परिवार की इज्जत की खातिर मामला शांत करा दिया गया, लेकिन आग अंदर ही अंदर सुलग रही थी।

रिश्तों की उलझन और सामाजिक बदनामी

इस घटना ने न केवल दो परिवारों को तबाह कर दिया है, बल्कि सामाजिक मर्यादाओं पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित पति, जो आठ बच्चों का पिता है, अब अपनी पत्नी और दामाद की इस करतूत से सदमे में है। वहीं पांच बच्चों की मां यानी आरोपी की पत्नी का भी बुरा हाल है। गांव में इस अनैतिक रिश्ते को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

पुलिस की कार्रवाई

महिला के पति ने इस मामले में थाना फरह में अपने दामाद के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में उसने दामाद पर उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी छोटे लाल ने बताया कि सास और दामाद के लापता होने की सूचना मिली है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और दोनों की तलाश के लिए टीमें लगाई गई हैं।

बारात में जा रहे दुल्हे की गोली मारकर हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलें के खेतासराय थाना क्षेत्र के मनेछा मुख्य मार्ग पर शुक्रवार देर रात उस समय दहषफ फेल गयी गई, जब बाइक सवार बदमाशों ने बारात में जा रहे दूल्हे की चलती कार में गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के बड़उर गांव निवासी 22 वर्षीय आजाद बिंद पुत्र रामलखन बिंद की शादी खेतासराय के बीबीपुर (जमदहाँ) निवासी मोरख बिंद की पुत्री से तय थी। शुक्रवार की रात वह बारात लेकर जा रहा था। इसी दौरान मनेछा मुख्य मार्ग पर पहले से घात लगाए बाइक सवार दो बदमाशों ने दूल्हे कि चलती कार पर निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ तीन राउंड गोली चला दी। जिसमें से एक गोली दूल्हे के गर्दन पर लगते ही वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घटना के बाद मौका देख बदमाश वहां से फरार हो गए वहीं इस वारदात के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी दुकानें बंद कर भागने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं स्ट्रेचर पर लेते हुए दूल्हे की मौत हो गई। दोनों पक्षों को घटना की सूचना मिलते ही शादी के माहौल का घर मातम में बदल गया। दोनों पक्षों में दूल्हे की मौत की खबर सुन हड़कंप मच गया वहीं। घटना से दुल्हन का रो-रोकर बुरा हाल है और वह बार-बार बेहोश हो जा रही है। बताया जा रहा घटना की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है, हालांकि पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

प्रयागराज में पानी टंकी पर चढ़ी महिला ने जान देने की धमकी दी, कहा- उस पर दर्ज मुकदमा गलत है, वापस लिया जाए

आर्यावर्त संवाददाता

संसू, फाफामऊ (प्रयागराज)। जनपद में अपनी बात मनवाने के लिए इन दिनों टॉवर और पानी की टंकी पर चढ़ने का सिलसिला मानो खत्म नहीं हो पा रहा है। पिछले दिनों बिजली विभाग के निलंबित जेई शहर में मोबाइल टॉवर पर चढ़ गए थे। वहीं अब शनिवार को गंगापार के फाफामऊ इलाके में एक महिला ने पानी टंकी पर चढ़कर हाई प्रोफाइल ड्रामा किया।

फाफामऊ के बसना नाला समीप बानी पानी टंकी पर शनिवार दोपहर करीब दो बजे पल्लवी सिंह नाम की महिला पानी चढ़ गई। चिल्लाते हुए वह जान देने की धमकी देने लगी। इस पर वहां लोगों की भीड़ जुट गई। मौके पर पहुंची फाफामऊ पुलिस महिला को समझाने बुझाने में जुटी रही। हालांकि वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुई। उसका कहना है कि जब

तक उसके खिलाफ दर्ज मुकदमे को समाप्त नहीं किया जाएगा, वह नीचे नहीं उतारेगी।

बताया जाता है कि फाफामऊ स्थित गंगा किनारे बसे मुहल्ले में पल्लवी सिंह रहती है। उसने मोहम्मद आलम से प्रेम विवाह किया था। पति मोहम्मद आलम ने उसके खिलाफ फाफामऊ थाने में जालसाजी का मुकदमा दर्ज कराया था। इसी को लेकर शनिवार दोपहर पल्लवी पानी की टंकी पर चढ़ गई।

थानाध्यक्ष ने कहा- महिला पर कई थानों में केस दर्ज

पल्लवी चिल्लाते हुए कहने लगी कि उसके खिलाफ लिखा गया मुकदमा गलत है, उसे वापस लिया जाए। तभी वह पानी टंकी से नीचे उतरेगी। फाफामऊ कार्यवाहक थानाध्यक्ष कंबोद सिंह का कहना है कि महिला के खिलाफ पहले भी कई मुकदमे अलग-अलग थानों में दर्ज है। हालांकि उसे महिला सिपाही की मदद से पानी टंकी से उतारने का प्रयास किया जा रहा है।

दुल्हन के ममेरे भाई ने की थी दुल्हे की हत्या

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। बारात लेकर जा रहे दूल्हे की हत्या दुल्हन के ममेरे भाई ने की थी। वह उसकी लव-मैरिज से नाराज था। परिवार वालों से रिश्ता तोड़ने के लिए कह रहा था। जब उन्होंने बात नहीं मानीं तो दूल्हे को ही मार डाला। इसकी पुष्टि एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने की है। उन्होंने बताया- ममेरे भाई प्रदीप बिंद ने शुक्रवार रात अपने साथी रवि यादव के साथ चेहरा ढककर दूल्हे आजाद बिंद की कार को ओवरटेक कर रोका, फिर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। आजाद के पेट में दो और जबड़े पर एक गोली लगी। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।पुलिस ने वारदात के बाद दुल्हन सोनी बिंद से पूछताछ की तो उसने प्रदीप, रवि और भोले राजभर के नाम बताए। प्रदीप और रवि को

भोले ने ही दूल्हे की लोकेशन शेयर की थी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। उन पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें बनाई हैं। ख4रू35 च्ड, 5ध्2ध्2026, उमकपंबमदजमतरदचरू पुलिस को आरोपी बाइक सवारों का भागते हुए एक ब्ब्ज्ट फुटेज मिला। दूल्हे आजाद के भाई आकाश और दुल्हन सोनी ने आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने बताया- सीसीटीवी से पता चला कि बाइक सवार आरोपी सरायख्वाजा की तरफ से आए थे। घटना को अंजाम देने के बाद खेतासराय की तरफ भाग गए। पुलिस रास्तों में लगे और सीसीटीवी रिकॉर्ड खंगाल रही है। रूट मैप तैयार किया जा रहा है, ताकि आरोपियों को ट्रेस किया जा सके। पुलिस को आरोपी बाइक सवारों का भागते हुए एक सीसीटीवी फुटेज मिला। दूल्हे आजाद के भाई आकाश और दुल्हन सोनी ने आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने बताया- सीसीटीवी से पता चला कि बाइक सवार आरोपी सरायख्वाजा की तरफ से आए थे। घटना को अंजाम देने के बाद खेतासराय की तरफ भाग गए। पुलिस रास्तों में लगे और सीसीटीवी रिकॉर्ड खंगाल रही है। रूट मैप तैयार किया जा रहा है, ताकि आरोपियों को ट्रेस किया जा सके।

जिस विक्रांत से शादी करने वाली थी राखी, उसे खुद ही मार डाला, 15 दिन बाद... बागपत डबल मर्डर केस की कहनी

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। यूपी के बागपत जिले में हुए डबल मर्डर केस की गुत्थी पुलिस ने काफी हद तक सुलझा ली है। 15 दिनों के अंदर हुए डबल मर्डर से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था। हैरानी की बात यह रही कि दोनों मामलों के शव सहारनपुर से बरामद हुए। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी सुधारस चौहान समेत दो गिरफ्तार किया है। मृतकों में एक डूडा का संविदा कर्मी विक्रांत और दूसरी उसकी करीबी महिला मित्र राखी कश्यप थी।पुलिस जांच में सामने आया कि इस डबल मर्डर के पीछे प्रेम-प्रसंग, विवाद, धोखा और पकड़े जाने का डर जैसे कई पहलू जुड़े हैं। सुधारस चौहान भाजपा युवा मोर्चा से जुड़ा हुआ बताया जाता है। जानकारी के अनुसार प्रयागराज निवासी विक्रांत बागपत के डूडा विभाग 2018 से संविदा कर्मी के

रूप में कार्यरत था। 15 अप्रैल 2026 को वह रोजाना की तरह ऑफिस पहुंचा, लेकिन इसके बाद अचानक लापता हो गया। पत्नी प्राची ने कई दिनों तक तलाश करने के बाद 23 अप्रैल को गुमशुदगी दर्ज कराई। उन्होंने राखी कश्यप नाम की महिला पर शक जताया, जो विक्रांत के बेहद करीब बताई जा रही थी। इसी बीच 17 अप्रैल को सहारनपुर में नहर से एक अज्ञात शव बरामद हुआ। बाद में उसकी पहचान विक्रांत के रूप में हुई। शव की हालत बेहद खराब थी। हाथ-पैर बंधे थे और चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया गया था। वहीं 27 अप्रैल को सहारनपुर के मिर्जापुर इलाके के जंगल में एक युवती का शव मिला, जिसकी पहचान राखी कश्यप के रूप में हुई। उसके गले पर धारदार हथियार से हमला किया गया था।

राखी ने मारी थी विक्रांत को गोली

पुलिस जांच में सामने आया कि 16 अप्रैल को बागपत में राखी के घर एक पार्टी हुई थी, जिसमें विक्रांत, राखी, सुधारस चौहान और कपिल चौहान समेत कुछ लोग मौजूद थे। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और आरोप है कि राखी ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से विक्रांत को गोली मार दी। बाद में आरोपी उसे एक सुनसान इलाके में ले गए और उसकी हत्या कर शव नहर में फेंक दिया। जांच में यह भी सामने आया कि विक्रांत की हत्या के बाद सुधारस और कपिल को डर था कि राखी पूरे मामले का खुलासा कर सकती है। इसी डर से दोनों ने उसे सहारनपुर के एक फार्महाउस पर ले गए, जहां चाकू से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई और शव जंगल के पास फेंक दिया गया।

राखी की लाइफस्टाइल थी लग्जरी

पुलिस के मुताबिक राखी कश्यप की लाइफस्टाइल काफी लग्जरी थी और वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती थी। उसके दो तलाक हो चुके थे और वह परिवार से अलग रही थी। वह अलग-अलग जगहों पर रहकर नई पहचान बनाती थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, राखी पर कई लोगों से विवाद और ठगी के आरोप भी थे। राखी के पास लाइसेंसी पिस्टल भी था, जिसकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

विक्रांत और रखी करने वाले थे शादी

पुलिस के अनुसार विक्रांत और राखी पिछले तीन साल से रिश्ते में थे और शादी की योजना बना रहे थे। लापता होने से पहले विक्रांत ने अपने खाते से चार लाख रुपये भी निकाले थे। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था। पुलिस ने मुख्य आरोपी सुधारस चौहान और उसके सहयोगी कपिल चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे केस का आधिकारिक खुलासा किया जाएगा। पुलिस राखी के मोबाइल की भी जांच कर रही है। इस डबल मर्डर मिस्ट्री के बाद 20 से ज्यादा लोग पुलिस के रडार पर हैं।

प्रयागराज से सीधे जुड़ेगा सोनभद्र... बनेगा 330 किमी लंबा विंध्य एक्सप्रेसवे, इन 4 राज्यों को मिलेगी कनेक्टिविटी

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में एक्सप्रेसवे के बाद अब योगी सरकार एक और बड़े प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने जा रही है। गंगा एक्सप्रेसवे के बाद राज्य सरकार ने अब 330 किलोमीटर लंबे विंध्य एक्सप्रेसवे के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाएं हैं। यह महत्वाकांक्षी परियोजना प्रयागराज से लेकर सोनभद्र तक हाई-स्पीड कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और आगे चलकर बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे पड़ोसी राज्यों को भी जोड़ेगी।

प्रस्तावित विंध्य एक्सप्रेसवे प्रयागराज जिले की सोरांव, फूलपुर और हंडिया तहसीलों के कुल 84 गांवों से होकर गुजरेगा। इस परियोजना की खास बात यह है कि इसे गंगा एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा जाएगा। जानकारी के अनुसार, सोरांव तहसील के जुदापुर डांडू गांव में इसका इंटरचेंज बनाया जाएगा, जिससे दोनों एक्सप्रेसवे मिलकर प्रदेश में एक बड़े हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण करेंगे।

महाकुंभ में हुई कैबिनेट बैठक में मिली थी मंजूरी

2025 में महाकुंभ में हुए कैबिनेट बैठक में योगी सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। कैबिनेट की स्वीकृति के बाद अब जिला प्रशासन भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में जुट गया है। प्रशासन ने प्रभावित गांवों की सूची भी लगभग तैयार कर ली है।

84 गांवों की जमीन का होगा अधिग्रहण

भूमि अधिग्रहण योजना के तहत सोरांव तहसील के 29 गांव, फूलपुर के 24 गांव और हंडिया के 31 गांव इस परियोजना के दायरे में आएंगे। अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही शुरुआती सर्वे और जमीन चिन्हांकन का कार्य शुरू किया जाएगा।

क्या होगा फायदा?

सरकार और प्रशासन का मानना है कि विंध्य एक्सप्रेसवे पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास में गेम चेंजर साबित होगा। इससे न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था भी अधिक मजबूत बनेगी। इसके जरिए व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक निवेश को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। साथ ही, पड़ोसी राज्यों से सीधी कनेक्टिविटी मिलने से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी बड़ा फायदा पहुंचने की संभावना है।

अपना गांव-अपना बीट, वन विभाग की इस पोस्टिंग ने खड़े किए बड़े सवाल

सुलतानपुर। वन विभाग में एक पोस्टिंग इन दिनों जिले भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। मामला बल्दीराय क्षेत्र की निवासी वन रक्षक रेखा सिंह से जुड़ा है, जिन्हें उनके ही ब्लॉक में तैनाती मिलने के बाद विभागीय नियम-कायदों पर सवाल उठने लगे हैं। इतना ही नहीं, चर्चा है कि उन्हें अपने ही गांव से जुड़े बीट का प्रभार भी सौंप दिया गया है। ऐसे में डीएफओ कार्यालय की भूमिका कटघरे में आ गई है। वन विभाग में सामान्य व्यवस्था यह रहती है कि किसी कर्मचारी को उसके गृह क्षेत्र से अलग स्थान पर तैनात किया जाए,ताकि सरकारी कार्यों में निष्पक्षता बनी रहे। लेकिन यहां तस्वीर कुछ और ही दिखाई दे रही है। अपने ही इलाके में तैनाती मिलने से यह सवाल उठ रहा है कि आखिर किसकी मेहरबानी से यह संभव हुआ, स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना विभागीय संरक्षण के ऐसी पोस्टिंग होना आसान नहीं।

मतदाता सूची में शामिल न होने पर सपा ने जताई चिन्ता

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को जिला कार्यालय सदर चुंगी, अलफस्टीनगंज में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विशेष पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत नए एवं युवा मतदाताओं के नाम अपेक्षा के अनुरूप मतदाता सूची में शामिल न होने पर चिंता व्यक्त की गई तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए सक्रिय रहने का निर्देश दिया गयाबैठक में जिलाध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा बूथ स्तर पर नए मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए व्यापक अभियान चलाया गया था, लेकिन आवेदन किए गए नामों में अपेक्षाकृत कम नाम शामिल होने की सूचना मिल रही है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति से प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठते हैं, इसलिए पार्टी कार्यकर्ता और बीएलए पूरी गंभीरता से पुनः अभियान में जुटें। उन्होंने विधानसभा अध्यक्षों, सेक्टर प्रभारियों और बूथ लेवल एजेंटों से कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे। नए, युवा और छूटे हुए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया में समाजवादी कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी के साथ सहयोग करें।बैठक में संगठन की आगामी रणनीति, बूथ सशक्तिकरण तथा 2027 की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। समाजवादी पार्टी इन दिनों प्रदेशभर में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और जमीनी पकड़ बढ़ाने में जुटी है। बैठक को विभिन्न विधानसभा क्षेत्र अध्यक्षों एवं वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

मोटापा से होगा बचाव, रहेंगे चुस्त-दुरुस्त, fssai की बताई ये 7 अच्छी आदतें अपनाएं

मोटापा या वजन बढ़ना आज के टाइम में ऐसी प्रॉब्लम बन चुकी है जो कम उम्र में ही लोगों को बीमारियों का शिकार बना रही है। जब आप खानपान से लेकर अपने रूटीन तक को बैलेंस नहीं रखते हैं तब वेट बढ़ना शुरू हो जाता है। इससे बचाव करके फिट रहना है तो जान लें कि आपको कौन सी अच्छी आदतें अपनानी चाहिए।

मोटापा एक ऐसी स्थिति होती है जब आपका वजन बढ़ते-बढ़ते फैट बहुत ज्यादा मात्रा में जमा हो जाता है। इसे कम करना बेहद मुश्किल होता है और ये बीमारियों की वजह भी बनता है। इससे शरीर भी बेडौल हो जाता है। वेट बढ़ते ही इसपर ध्यान देना चाहिए और मोटापा से बचने के लिए हेल्दी आदतें अपनानी चाहिए। मोटापा आपके शरीर में कई साइलेंट किलर बीमारियों जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, फैटी लिवर जन्म दे सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि कौन सी आदतें अपनाकर आप खुद को फिट रखकर हेल्दी लाइफ जी सकते हैं।

मोटापे से बचना है या फिर वेट को कंट्रोल में रखना है तो इसका बिल्कुल सिंपल सा तरीका है कि आप अपने खानपान से लेकर डेली रूटीन की एक्टिविटीज को सही तरीके से फॉलो करें। ज्यादातर लोगों का सुस्त रूटीन होता है और ये भी वजन बढ़ने की आज एक बड़ी वजह है। चलिए जान लेते हैं fssai भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (Food Safety and Standards Authority of India) की बताई वो अच्छी आदतें जो आपको हेल्दी बनाए रखेंगी।

फ्राई-ऑयली फूड करें कम

मोटापे से बचना है तो अपनी डाइट से फ्राई फूड्स को कट करें। जिन भी चीजों में ज्यादा ऑयल होता है। उन्हें भी खाना कम कर दें। ज्यादा तेल वाली चीजें शरीर में जाकर पाचन को खराब करती हैं साथ ही ज्यादा फैट जमा होने लगता है, जिससे उसकी लेयर बन जाती हैं।

प्रोसेस्ड फूड अवॉइड करें

आजकल प्रोसेस्ड फूड खाने का ट्रेंड काफी ज्यादा है। यहां तक कि लोग बच्चों को भी बिना सोचे समझे प्रोसेस्ड फूड दे देते हैं। जैसे प्रोजन पिज्जा, डिब्बाबंद सब्जियां जो इंस्टेंट बन जाएं, रेडीमेड जूस, इंस्टेंट नूडल्स, इंस्टेंट स्नैक्स। इन फूड्स में पोषक तत्वों की मात्रा कम होने के साथ ही सोडियम, शुगर, अनहेल्दी फैट्स ज्यादा होते हैं और फाइबर भी कम होता है।

स्लीप पैटर्न को सुधारें

अच्छी नींद का संबंध आपकी हेल्थ और फिटनेस से होता है। इससे आपकी मेंटल हेल्थ भी प्रभावित होती है, इसलिए जरूरी है कि आप अपनी स्लीप को रेगुलर करें। रोजाना सिर्फ 7 से 8 घंटे की नींद ही काफी नहीं होती है, बल्कि समय पर सोएं और समय पर ही जागें।

खुद को रखें हाइड्रेट

हेल्दी और फिट रहने के लिए आपको अपनी बॉडी भी हाइड्रेट रखनी चाहिए। दरअसल जब आप पानी और हेल्दी ड्रिंक्स के साथ ही पानी से भरपूर फल-सब्जियां डाइट में शामिल करते हैं तो इससे न सिर्फ पानी की पूर्ति होती है, बल्कि पोषक तत्व भी मिलते हैं। शरीर में जब पानी की मात्रा सही रहती है तो टॉक्सिन भी बाहर निकल जाते हैं। इससे मेटाबॉलिज्म सही रहता है और वेट कंट्रोल में रहता है।

योग या एक्सरसाइज करें

फिट रहने के लिए बहुत जरूरी है कि आप कैलोरी बर्न करें। इसके लिए आप कुछ देर योगा या फिर एक्सरसाइज कर सकते हैं। इससे मसल्स और हड्डियां भी मजबूत रहती हैं। ये आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए बेहद जरूरी और अच्छी आदत है।

फिजिकल एक्टिविटी

ज्यादातर लोग सिटिंग जॉब में रहते हैं। ऐसे में सिर्फ सुबह वर्कआउट करना काफी नहीं होता है। जरूरी है कि आप दिन में भी फिजिकली एक्टिव रहने की कोशिश करें। जैसे एलिवेटर या फिर लिफ्ट की जगह आप सीढ़ियों से चढ़ें। आसपास कहीं जाना हो तो गाड़ी की जगह साइकिल का यूज करें या फिर पैदल चलकर जाएं।

एयर कंडीशनर का इस्तेमाल करते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

गर्मियों में एयर कंडीशनर का इस्तेमाल करना बहुत आरामदायक होता है क्योंकि इसकी ठंडी हवा गर्मी की समस्याओं से सुरक्षित रख सकती है, लेकिन अक्सर लोग इसे सही तरीके से नहीं चलाते हैं। इससे न केवल बिजली का बिल बढ़ता है, बल्कि एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। आइए जानते हैं कुछ सामान्य गलतियों के बारे में, जिन्हें सुधारकर आप अपने एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता बढ़ा सकते हैं।

कई लोग कमरे को जल्दी ठंडा करने के लिए एयर कंडीशनर का तापमान बहुत कम कर देते हैं। इससे बिजली का बिल बढ़ जाता है और एयर कंडीशनर की उम्र कम हो जाती है। एयर कंडीशनर का तापमान 24 से 26 डिग्री के बीच होना चाहिए। इससे कमरे का तापमान आरामदायक रहेगा और बिजली की खपत भी कम होगी।

कई लोग एयर कंडीशनर के एयर फिल्टर की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं, जिससे उसमें धूल-मिट्टी जम जाती है और हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है। इससे सेहत पर असर पड़ सकता है और एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। समय-समय पर एयर फिल्टर की सफाई करना जरूरी है ताकि एयर कंडीशनर सही तरीके से काम करे।

हवा के रास्ते को बंद करना

अगर कमरे में फर्नीचर या बड़ा सामान रखा है, तो हो सकता है कि आपने एयर कंडीशनर की हवा के रास्ते को बंद कर दिया हो। इससे हवा सही तरीके से नहीं फैल पाती और कमरे का तापमान ठीक से नहीं बदलता। इससे एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और बिजली की खपत बढ़ जाती है। इसलिए हवा के रास्ते को हमेशा खुला रखें।

दरवाजे और खिड़कियां खुली रखना

एयर कंडीशनर चलाते समय दरवाजे और खिड़कियां खुली रखना एक बड़ी गलती हो सकती है। इससे ठंडी हवा बाहर चली जाती है और एयर कंडीशनर को कमरे का तापमान नियंत्रित करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। इसलिए एयर कंडीशनर चालू रहने पर दरवाजे और खिड़कियां बंद रखें।

नियमित देखभाल न कराना

एयर कंडीशनर की नियमित देखभाल कराना बहुत जरूरी होता है। अगर इसे नजरअंदाज किया जाए तो एयर कंडीशनर की कार्यक्षमता धीमी हो सकती है और वह जल्दी खराब भी हो सकता है। नियमित देखभाल से न केवल एयर कंडीशनर बेहतर तरीके से काम करता है बल्कि बिजली की खपत भी कम होती है। इसके अलावा इससे आपकी सेहत पर भी अच्छा असर पड़ता है क्योंकि साफ-सुथरा एयर कंडीशनर हानिकारक कणों को दूर करता है।

ये 5 संकेत बता सकते हैं कि आपके शरीर का बढ़ रहा है तापमान, बरतें सावधानी

गर्मी के मौसम में शरीर का तापमान बढ़ना आम बात है। हालांकि, अगर यह जरूरत से ज्यादा बढ़ जाए तो यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। शरीर के गर्म होने पर कई संकेत मिलते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताते हैं, जो शरीर के तापमान के बढ़ने का संकेत दे सकते हैं ताकि आप समय रहते सावधानी बरत सकें और गंभीर समस्याओं से बच सकें।

सिरदर्द होना

अगर आपको गर्मियों में सिरदर्द की समस्या होने लगे तो इसे नजरअंदाज न करें। यह शरीर के अधिक तापमान बढ़ने का संकेत हो सकता है। आमतौर पर यह समस्या धूप में लंबे समय तक रहने या अधिक मेहनत करने से होती है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें, खूब पानी पिएं और ठंडे पेय का सेवन करें। इसके अलावा सिरदर्द को दूर करने के लिए ठंडी पट्टी भी लगा सकते हैं।

चक्कर आना

अगर आपको अचानक चक्कर आने लगे तो समझ जाइए कि आपका शरीर अधिक गर्म हो रहा है। यह स्थिति खासकर तब होती है, जब कोई व्यक्ति अधिक देर तक सूरज की रोशनी में रहता है या अधिक मेहनत करके खुद को प्यासा कर लेता है। इससे शरीर का तापमान असंतुलित हो जाता है, जिससे चक्कर आने लगते हैं। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें।

उल्टी आना

अगर आपको उल्टी आने की समस्या होने लगे तो यह भी शरीर के अधिक गर्म होने का संकेत हो सकता है। यह स्थिति खासकर तब होती है, जब कोई व्यक्ति अधिक देर तक सूरज की रोशनी में रहता है या अधिक मेहनत करके खुद को प्यासा कर लेता है। इससे शरीर का तापमान असंतुलित हो जाता है, जिससे उल्टी आने लगती है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें।

त्वचा का लाल होना

अगर आपकी त्वचा ज्यादा गर्म होने पर लाल पड़ने लगे तो समझ जाइए कि आपका शरीर अधिक गर्म हो रहा है। आमतौर पर यह समस्या धूप में लंबे समय तक रहने या अधिक मेहनत करने से होती है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें, ठंडे पानी से नहाएं और त्वचा को ठंडा रखने वाले जेल या लोशन का इस्तेमाल करें।

सांस लेने में दिक्कत होना

अगर आपको सांस लेने में दिक्कत होने लगे तो यह भी शरीर के अधिक गर्म होने का संकेत हो सकता है। यह स्थिति खासकर तब होती है, जब कोई व्यक्ति अधिक देर तक धूप में रहता है या अधिक मेहनत करके खुद को प्यासा कर लेता है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें। इसके अलावा सांस लेने में दिक्कत होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

हाथ-पैरों को मजबूत कर सकती है ग्लूट-हैम रेज एक्सरसाइज, इसके दौरान रखें इन बातों का ध्यान

ग्लूट-हैम रेज एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो आपके निचले शरीर और हैमस्ट्रिंग को मजबूत बना सकती है। यह एक्सरसाइज न केवल पैरों को टोन करती है, बल्कि पीठ के निचले हिस्से को भी मजबूत करती है। इसे सही तरीके से करने के लिए कुछ खास बातें जानना जरूरी है। आइए आज हम आपको ग्लूट-हैम रेज से जुड़ी 5 अहम बातें बताते हैं, जिनसे आप इस एक्सरसाइज का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।

सही मुद्रा अपनाएं

ग्लूट-हैम रेज करते समय सही मुद्रा का चयन करना बहुत जरूरी है। आपको अपने पैरों को स्थिर प्लेटफॉर्म पर रखना होगा और ध्यान रखना होगा कि आपके घुटने सीधे रहें। इससे आपकी पीठ के निचले हिस्से पर सही दबाव पड़ेगा और आप इस एक्सरसाइज को बेहतर तरीके से कर पाएंगे। इसके अलावा आपको अपने हाथों को छाती पर क्रॉस करना चाहिए या सिर के पीछे रखना चाहिए, ताकि आप संतुलन बना सकें।

धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं

अगर आप पहली बार ग्लूट-हैम रेज कर रहे हैं तो शुरुआत में हल्के वजन का ही चुनाव करें। धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं, ताकि आपकी मांसपेशियां इसे सहन कर सकें और चोट का खतरा कम हो। इससे न केवल आपकी ताकत बढ़ेगी, बल्कि आपकी तकनीक भी सुधरेगी। ध्यान रखें कि वजन बढ़ाने की प्रक्रिया धीरे-धीरे हो, ताकि शरीर को उसे अपनाने का समय मिल सके और आप सुरक्षित तरीके से अधिकतम लाभ उठा सकें।

सांसों पर ध्यान दें

ग्लूट-हैम रेज करते समय अपनी सांसों पर ध्यान देना नहीं भूलना चाहिए। ऊपर की ओर उठते समय सांस लें और नीचे की ओर लौटते समय सांस छोड़ें। इससे आपकी एक्सरसाइज ज्यादा प्रभावी होगी और आपको ज्यादा ऊर्जा मिलेगी। सही तरीके से सांस लेने से आपकी मांसपेशियों पर बेहतर प्रभाव पड़ेगा और आप ज्यादा समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे। इसके अलावा यह आपकी सहनशक्ति को भी बढ़ाएगी और आपको बेहतर परिणाम देगी।

फॉर्म पर ध्यान दें

ग्लूट-हैम रेज करते समय आपका फॉर्म बहुत अहम होता है। आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और कोई भी मोड़ या खिंचाव नहीं होना चाहिए। इसे सही तरीके से करने से न केवल चोट लगने का खतरा कम होता है, बल्कि इससे आपके ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग पर अधिक प्रभाव पड़ता है। सही फॉर्म से आप इस एक्सरसाइज का पूरा लाभ उठा सकते हैं और अपनी मांसपेशियों को मजबूत बना सकते हैं।

नियमितता बनाए रखें

किसी भी एक्सरसाइज का पूरा फायदा उठाने के लिए नियमितता बहुत जरूरी होती है। सप्ताह में कम से कम 3 बार ग्लूट-हैम रेज करें, ताकि आपके शरीर को इसकी आदत हो जाए और आप इसके सारे लाभ पा सकें। नियमितता से न केवल आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी, बल्कि आपका संतुलन भी बेहतर होगा। इसके अलावा इससे आपकी सहनशक्ति में भी वृद्धि होगी और आप अधिक समय तक इस एक्सरसाइज को कर पाएंगे।

गिरते रुपए से कैसे निपटेगा आरबीआई, जापान जैसे हालात, सामने कितनी बड़ी चुनौती?

मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के चलते भारतीय रुपये में गिरावट जारी है। गुरुवार को एनर्जी इम्पोर्ट की बढ़ी हुई लागत के कारण रुपया अब तक के सबसे लो लेवल पर पहुंच गया। भारत की स्थिति करेंसी के मामले में जापान जैसी हो गई है। वहां भी येन डॉलर के मुकाबले 160 के लेवल पर पहुंच गया है, जो कि 2024 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। भारत और जापान अभी लगभग सेम लाइन पर खड़े दिखाई दे रहे हैं क्योंकि दोनों देश के गवर्नर ब्याज दरें बढ़ाने में हिचकिचा रहे हैं। आइए इस खबर में यह समझते हैं कि आरबीआई के सामने रुपये को लेकर कितनी चुनौती है।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा के रुपये के सामने कई सारी चुनौतियां आ गई हैं, जिसके पीछे की सबसे बड़ी वजह फॉरेन एक्सचेंज मार्केट का प्रेशर मानी जा रही है और ईरान में दो महीने पहले शुरू हुए युद्ध का असर भी इसमें प्रमुख रहा है। यह असर फिलिपीन पेसो और इंडोनेशियाई रुपिया पर भी पड़ा है। इन देशों के सेंट्रल बैंक भी अपनी पॉलिसी रेट्स बढ़ाने में हिचकिचा रहे हैं, लेकिन पिछले दो सालों में भारतीय मुद्रा एशिया में सबसे खराब परफॉर्म करने वाली करेंसी रही है और यह स्थिति अगर ज्यादा समय तक बनी रहती है तो वह इकोनॉमी के लिए अच्छी खबर नहीं है।

ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में रुपये का कमजोर होना शायद एक प्लान्ड स्ट्रेटेजी थी, ताकि एक्सपोर्टर्स को अमेरिका के टैरिफ से बचाया जा सके। दिसंबर 2024 में गवर्नर बनने के बाद मल्होत्रा ने पॉलिसी रेट में 125 बेसिस पॉइंट की कटौती की थी। साथ ही RBI ने बैंकों में करीब 20 ट्रिलियन रुपये डाले थे, जो महामारी के दौरान दी गई लिक्विडिटी से भी ज्यादा था। फिर भी ये पैसा बैंकिंग सिस्टम से बाहर निकल गया, क्योंकि ग्लोबल इन्वेस्टर्स ने लोकल एसेट्स बेचकर डॉलर में पैसा वापस ले लिया। नतीजा ये हुआ कि बैंकों के लिए फंडिंग अभी भी टाइट बनी हुई है।

कैपिटल आउटफ्लो में आ सकती है तेजी

अब जब मिडिल ईस्ट से तेल और गैस सप्लाई में दिक्कत के कारण रुपया डॉलर के मुकाबले 100 के साइकोलॉजिकल लेवल की तरफ बढ़ने का खतरा है गुरुवार को रुपया 94.192 पर बंद हुआ और इंट्रा-डे में 95 पार किया था ऐसे में कैपिटल आउटफ्लो और तेज हो सकता है। पिछले एक साल में विदेशी निवेशकों ने इक्विटी मार्केट से 26 बिलियन डॉलर निकाले हैं, जिनमें से 20 बिलियन सिर्फ जनवरी के बाद निकले हैं। इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव मार्केट यह संकेत दे रहे हैं कि RBI को अपनी ग्रोथ-फ्रेंडली, ईजी-मनी पॉलिसी को वापस लेना पड़ सकता है, ताकि एक्सचेंज रेट को संभाला जा सके और पिछले दो सालों की 12% गिरावट और न बढ़े। इससे बैंकरों के सामने नई प्रॉब्लम खड़ी हो गई है।

महंगे लोन वाले ग्राहकों पर खतरा

जब एनर्जी क्राइसिस चल रहा है, तो महंगे लोन लेने वाले ग्राहकों की संख्या में भी कमी आएगी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से पहले, कंज्यूमर और बिजनेस लोन में 14.15% की अच्छी ग्रोथ हो रही थी। उस समय RBI लेंडिंग को और बढ़ाना चाहता था और बैंकों को ज्यादा फ्रीडम देने की सोच रहा था, ताकि सिस्टम इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स के बराबर हो सके।

भारतीय बैंकों की एसेट क्वालिटी अभी काफी मजबूत है, जो पिछले दशक में सबसे बेहतर है। लेकिन अगले साल से RBI चाहता है कि बैंक संभावित NPA के लिए पहले से प्रोविजन रखें। प्राइवेट बैंकों के लिए यह आसान होगा, लेकिन सरकारी बैंकों को जो MSME सेक्टर में ज्यादा एक्सपोज्ड हैं अपने बैलेंस शीट को क्लीन करना पड़ सकता है। पिछले साल सरकारी बैंकों के डिफॉल्ट लोन में 25% से ज्यादा हिस्सा MSME का था। इसका मतलब है कि बैंक अब इस सेक्टर में लोन देने में ज्यादा सावधानी बरतेंगे।

बैंकों के सामने चुनौती

BMI की रिपोर्ट के अनुसार, बैंक अब लोन ग्रोथ से ज्यादा एसेट क्वालिटी को बचाने पर फोकस करेंगे। अब तक सरकार ने तेल रिफाइनरियों पर दबाव डाला है कि वे महंगे कच्चे तेल का बोझ सीधे कंज्यूमर पर न डालें। लेकिन LPG की कमी पहले से ही लोगों को परेशान कर रही है। सरकार के पास इतनी फाइनेंशियल कैपेसिटी नहीं है कि वह लंबे समय तक सब्सिडी देती रहे। मार्च में इन्फ्लेशन 3.14% रहा, जो RBI के टारगेट के अंदर है। लेकिन हीटवेव और कमजोर मानसून की आशंका से फूड इन्फ्लेशन बढ़ सकता है।

ब्याज दरों में बढ़ोतरी करना जरूरी?

ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई को इस समय ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने से नहीं बचना चाहिए। महंगाई को काबू में करने के लिए अब ब्याज दर बढ़ाना जरूरी हो गया है और इससे बचना मुश्किल है। जैसे ही ब्याज दरें बढ़ेंगी, लोग कम खर्च करेंगे और कम लोन लेंगे, जिससे मांग घटेगी। अगर यह कदम समय पर नहीं उठाया गया, तो अभी जो बैंक मजबूत दिख रहे हैं उनकी बैलेंसशीट खराब हो सकती है। महंगाई बढ़ने से लोगों का भविष्य को लेकर भरोसा भी कमजोर पड़ता है, जिसका असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

एक्सपायर्ड और खराब खाने का सामान बेचने पर एफएसएसएआई की बड़ी कार्रवाई, ई-कॉमर्स कंपनी पर ठोका 6 लाख का जुर्माना

ऑनलाइन सामान मंगाने वालों के लिए बड़ी खबर। ग्राहकों को एक्सपायर्ड और खराब खाद्य पदार्थ बेचने पर एफएसएसएआई ने एक ई-कॉमर्स कंपनी पर 6 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद हुई जांच में नियमों के गंभीर उल्लंघन सामने आए थे। इसके बाद गुरुग्राम कोर्ट में यह सख्त दंडात्मक कार्रवाई की गई है।

आजकल हर छोटी-बड़ी जरूरत के लिए हम ऑनलाइन डिलीवरी ऐप्स पर निर्भर हो गए हैं। ग्रॉसरी से लेकर पैक्ड फूड तक, सबकुछ चंद मिनटों में घर के दरवाजे पर आ जाता है। लेकिन इस आधुनिक सुविधा के पीछे एक बड़ा जोखिम भी छिपा है। कई बार जल्दबाजी या निगरानी की कमी के चलते ग्राहकों को एक्सपायर्ड और खराब क्वालिटी का सामान थमा दिया जाता है। अब देश के शीर्ष खाद्य नियामक, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने कंपनियों की इस मनमानी पर सीधा प्रहार किया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए ग्राहकों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली एक ई-कॉमर्स कंपनी पर 6 लाख रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लगाया गया है।

लगातार शिकायतों के बाद हुई बड़ी कार्रवाई

बाजार में यह लंबे समय से चिंता का विषय था कि कई ई-कॉमर्स ऑपरेटर अपनी बिक्री और डिलीवरी स्पीड बढ़ाने के चक्कर में क्वालिटी कंट्रोल को नजरअंदाज कर रहे हैं। एफएसएसएआई को भी इस बाबत उपभोक्ताओं की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को बेहद गंभीरता से लेते हुए, अथॉरिटी के नॉर्दर्न रीजनल ऑफिस ने एक विस्तृत जांच अभियान चलाया। इस पूरी जांच प्रक्रिया की निगरानी खुद आईपीएस अधिकारी देवेश कुमार महला ने की। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर खुलेआम ऐसे खाद्य पदार्थ बेचे जा रहे थे, जिनकी एक्सपायरी डेट निकल चुकी थी या जो किसी भी तरह से खाने लायक नहीं बचे थे। यह सीधे तौर पर देश के फूड सेफ्टी नियमों का एक गंभीर उल्लंघन था।

कोर्ट तक पहुंचा मामला, लगा भारी जुर्माना

खाद्य सुरक्षा कोई ऐसा व्यावसायिक मुद्दा नहीं है जिसे महज एक चेतावनी देकर छोड़ दिया जाए। जब केंद्रीय फूड सेफ्टी अधिकारियों ने इस मामले की गहराई से पड़ताल की, तो फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट 2006 और इससे जुड़े कई अन्य नियमों की धज्जियां उड़ती हुई नजर आईं। मामला इतना संगीन था कि इसे कानूनी प्रक्रिया के तहत गुरुग्राम के अतिरिक्त जिला आयुक्त (ADC) कोर्ट में पेश किया गया। पुख्ता सबूतों और नियमों के साफ उल्लंघन को देखते हुए कोर्ट ने संबंधित ई-कॉमर्स फूड बिजनेस ऑपरेटर पर 6 लाख रुपये का अर्थदंड तय किया। यह जुर्माना पूरी ई-कॉमर्स और फूड डिलीवरी इंडस्ट्री के लिए एक सख्त संदेश है कि डिजिटल मुनाफे की आड़ में आम जनता के स्वास्थ्य को ताक पर नहीं रखा जा सकता।

लाइसेंस और लेबलिंग के नियमों पर सख्त निर्देश

इस बड़ी दंडात्मक कार्रवाई के साथ ही एफएसएसएआई ने बाजार के लिए अपना रुख बिल्कुल साफ कर दिया है। अथॉरिटी ने सभी फूड बिजनेस ऑपरेटरों और ऑनलाइन कंपनियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि उन्हें हर हाल में खाद्य सुरक्षा के तय मानकों का पालन करना ही होगा। इसका सीधा मतलब है कि प्रोडक्ट की सही लेबलिंग, साफ-सफाई और वैध लाइसेंस के बिना व्यापार करना अब कंपनियों को बहुत महंगा पड़ेगा। नियामक ने स्पष्ट किया है कि लोगों की सेहत के साथ किसी भी तरह का समझौता या लापरवाही अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कोई भी कंपनी इन बुनियादी मानकों को दरकिनार करती पाई गई, तो उसे भारी जुर्माना और लंबी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

आपके पास भी है शिकायत का अधिकार

इस पूरे मामले का सबसे अहम पहलू यह है कि यह सफल कार्रवाई आम लोगों की सक्रिय शिकायतों के आधार पर ही संभव हो पाई है। इसलिए एफएसएसएआई ने एक बार फिर सभी उपभोक्ताओं से सतर्क रहने की अपील की है। एक जागरूक नागरिक और ग्राहक के तौर पर, अगर आपको किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म या सामान्य दुकान पर खराब या एक्सपायर्ड खाने का सामान बिकता हुआ दिखता है, तो खामोश न बैठें। आप तुरंत 'Food Safety Connect App' या सरकार के अन्य उपभोक्ता शिकायत पोर्टल्स पर अपनी बात दर्ज करा सकते हैं।

'बाहर निकलो, कितनी झूठी हो': ट्रंप ने इल्हान पर की विवादित टिप्पणी, सांसद ने भी राष्ट्रपति को बता दिया अपराधी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर के बीच एक बार फिर तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई। फ्लोरिडा के 'द विलेज' इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने उमर पर बेहद कड़े शब्दों में हमला किया।

उन्होंने इल्हान उमर को 'ढोंगी' कहा और उनके मूल देश सोमालिया को लेकर कई गंभीर बातें कहीं। इसके बाद इल्हान उमर ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति ट्रंप को करारा जवाब दिया है। दोनों नेताओं के बीच यह विवाद अब काफी चर्चा में आ गया है।

पहले जानते हैं ट्रंप ने इल्हान उमर पर क्या कहा

मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर को सीधा निशाना बनाया है।

ट्रंप ने कहा कि उमर सोमालिया से आई हैं और अब हमें अमेरिका चलाने का तरीका बता रही हैं।

ट्रंप ने उमर की नकल उतारते हुए कहा कि वह संविधान से अपने अधिकारों की मांग करती हैं, लेकिन असल में उन्हें यहां से बाहर निकल जाना चाहिए।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने साफ शब्दों में इल्हान उमर को एक 'ढोंगी' महिला करार दिया।

ट्रंप ने सोमालिया की स्थिति पर बात करते हुए कहा कि वहां कोई सरकार, सेना या पुलिस नहीं है, बल्कि सिर्फ अपराध और गंदगी है।

ट्रंप ने इल्हान उमर पर अपने ही भाई से शादी करने का बहुत गंभीर और व्यक्तिगत आरोप लगाया, जिसे उन्होंने गैरकानूनी बताया।

इल्हान उमर ने ट्रंप के आरोपों का क्या जवाब दिया?

इल्हान उमर ने ट्रंप के इन विवादित बयानों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़ा जवाब दिया।

उमर ने ट्रंप के बयानों को बेतुका बताया और कहा कि अगर यह किसी अपराधी की तरफ से नहीं आया होता, तो उन्हें सच में बहुत गुस्सा आता।

सांसद उमर ने देश की जनता को याद दिलाया कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 34 गंभीर मामलों में दोषी साबित हो चुके हैं।

उमर ने ट्रंप पर लगे दुष्कर्म के आरोपों और अन्य गंभीर कानूनी मामलों का भी अपने पोस्ट में जिक्र किया।

उमर ने हैरान होते हुए लिखा कि उन्हें यह समझ नहीं आता कि कोई इंसान अपनी इतनी बेइज्जती खुशी-खुशी कैसे करा सकता है।

उमर ने ट्रंप की पार्टी पर तंज कसते हुए उन्हें अपनी कमियां छिपाने के लिए नया बहाना ढूंढने की सलाह दी है।

क्या दोनों नेताओं के बीच पहले भी ऐसा विवाद हो चुका है?

यह कोई पहला मौका नहीं है जब इन दोनों बड़े नेताओं के बीच इस तरह की जुबानी जंग और बहस देखने को मिली है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी इल्हान उमर ने मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप पर बहुत ही तीखा और सीधा हमला किया था। उस वक्त उमर ने ट्रंप को 'झूठा और मूर्ख इंसान' बताया था, क्योंकि ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने उमर को वापस भेजने के लिए सोमालिया के राष्ट्रपति से फोन पर बात की है।

इल्हान उमर ने तब देश के लोगों से कहा था कि किसी को भी ट्रंप जैसी शर्मनाक बातें करने वाले इंसान को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। आपको बता दें कि उमर हमेशा से ट्रंप की इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों की बहुत बड़ी आलोचक रही हैं और अक्सर उनका विरोध करती हैं।

सोमालिया को लेकर ट्रंप ने अपनी पोस्ट में क्या दावे किए?

ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' नाम के अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इल्हान उमर और उनके मूल देश सोमालिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने लिखा कि सोमालिया में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है और वहां दशकों से गृह युद्ध चल रहा है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि सोमालिया आतंकवाद, समुद्री डकैती, गरीबी, भुखमरी और बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार से जूझ रहा है।

ट्रंप के मुताबिक, सोमालिया की 70 प्रतिशत आबादी आज भी बेहद गरीबी में जी रही है और वहां की सरकार पूरी तरह से बेकार है। ट्रंप ने कहा कि ऐसी खराब जगह से आने वाली महिला अब अमेरिका को बता रही है कि हमें क्या करना चाहिए और कैसे करना चाहिए। अंत में ट्रंप ने उमर के लिए बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उन पर नागरिकता पाने के लिए भाई से शादी करने का आरोप फिर से दोहराया।

'नाकाबंदी से ईरान को हुआ 4.8 अरब डॉलर का नुकसान, जारी है कार्रवाई', अमेरिका के रक्षा मंत्रालय का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि फारस की खाड़ी में अमेरिकी नाकेबंदी और कार्रवाई से ईरान को तेल के राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। एक्सिओस ने पेंटागन के अनुमान के आधार पर अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के आकलन के अनुसार, इस क्षेत्र में अमेरिका की कार्रवाई के कारण ईरान को तेल से होने वाली आय में करीब पांच अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। यह नुकसान इसलिए हुआ, क्योंकि अमेरिका की तरफ से समुद्र में जो कार्रवाई की जा रही है, उससे ईरान का समुद्री व्यापार और ऊर्जा निर्यात बाधित हो गया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब होर्मुज जलडमरूमध्य के पास जलमार्गों को लेकर तनाव जारी है, जो दुनिया के सबसे अहम जलमार्गों में से एक माना जाता है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी सीन पार्नेल ने पेंटागन के कार्यवाहक प्रेस सचिव जोएल वाल्डेज के बयान का हवाला दिया। वाल्डेज ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई का मकसद ईरान पर लगातार आर्थिक दबाव बनाए रखना है।Nउन्होंने एक्स पर लिखा, होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नाकेबंदी पूरी ताकत से जारी है और वह परिणाम दे रही है, जिसकी हमने उम्मीद की थी। उन्होंने आगे कहा, हम ईरानी शासन की आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता को फंड करने की क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। हमारे सशस्त्र बल इस क्षेत्र में लगातार दबाव बनाए रखेंगे। Bअमेरिकी वित्त मंत्री ने साधा ईरानी नेतृत्व पर निशाना

इस बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईरानी नेतृत्व को 'गटर के पाइप के चूहे' बताया और कहा कि तेहरान की सरकार को जमीनी हकीकत का पता नहीं है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय उनके खिलाफ हो चुका है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण है और जब तक समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता (फ्रीडम ऑफ नेविगेशन) बहाल नहीं होती, तब तक नाकेबंदी जारी रहेगी। बेसेंट ने एक्स पर लिखा कि ईरान की स्थिति बहुत खराब है। वहां डॉलर की कमी है। भोजना और पेट्रोल का सीमित मात्रा में वितरण हो रहा है और पूरी दुनिया उसके खिलाफ है। उन्होंने कहा कि नाकेबंदी जारी रहेगी। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका में ईरानी दूतावास ने बेसेंट की टिप्पणी की आलोचना की। इससे पहले इस्लामाबाद में वार्ता विफल होने के बाद 13 अप्रैल को अमेरिका ने ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी शुरू कर दी थी।

ट्रंप प्रशासन ने पश्चिम एशिया के चार देशों को 8.6 अरब डॉलर के हथियारों की पेशकश की, संसद को किया दरकिनार

वॉशिंगटन, एजेंसी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक,अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि इन हथियारों में आधुनिक सटीक लक्ष्य भेदने वाले हथियार प्रणाली, वायु और मिसाइल रक्षा की आपूर्ति बहाली सेवाएं और एक एकीकृत युद्ध कमान प्रणाली शामिल हैं।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सांसदों को बताया कि ईरान के खिलाफ युद्ध 'खत्म' हो गया है। यह सैन्य कार्रवाई कांग्रेस की अनुमति के बिना शुरू की गई थी। इसके लिए 60 दिन की कानूनी सीमा पूरी हो चुकी है।

ट्रंप ने एक पत्र में कहा, सात अप्रैल 2026 के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच कोई गोलीबारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 28 फरवरी 2026 को शुरू हुआ संघर्ष अब समाप्त हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, उनका यह पत्र कांग्रेस और युद्ध को लेकर उसकी मंजूरी की जरूरत पर चल रहे विवाद को खत्म करने की कोशिश है।

1973 के युद्ध शक्ति प्रस्ताव (वार पावर्स रेजोल्यूशन) के तहत राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई शुरू करने के बाद कांग्रेस को सूचना देनी होती है और बिना मंजूरी के 60 दिनों के भीतर उसे खत्म करना होता है। ट्रंप ने यह भी कहा, ईरान के साथ बातचीत में अभी अनिश्चितता है। उन्होंने चेतावनी दी कि वह मौजूदा प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं हैं। लेकिन कूटनीति और सैन्य कार्रवाई दोनों विकल्प खुले रखे गए हैं।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, ईरान समझौता करना चाहता है। लेकिन वह प्रस्ताव से खुश नहीं हैं, इसलिए यह देखना होगा कि आगे क्या होगा। ट्रंप ने ईरान के नेतृत्व को भी अस्थिर बताया और कहा कि वहां अंदरूनी मतभेद हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि असली नेता कौन है। उन्होंने यह भी दावा किया, हाल के संघर्ष के बाद ईरान की सेना काफी कमजोर हो गई है। उसके पास अब मजबूत नौसेना और वायुसेना नहीं बची है। ट्रंप ने कहा कि वह शांतिपूर्ण समाधान पसंद करेंगे। लेकिन अगर वार्ता विफल होती है तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी मौजूद है।

'होर्मुज सुरक्षा और समृद्धि का स्रेत बनेगा', IRGC ने अहम जलमार्ग के लिए की नए नियमों की घोषणा

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपने दक्षिणी तट के पास के समुद्री क्षेत्र को लेकर 'नए नियम' घोषित किए हैं। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के अनुसार, ईरान का कहना है कि वह अरब की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री मार्गों पर अपना नियंत्रण मजबूत करना चाहता है। आईआरजीसी की नौसेना कमान की ओर से बयान जारी किया गया। इस बयान में कहा गया कि वह अरब की खाड़ी और रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य के साथ फैली ईरान की लगभग 2,000 किलोमीटर लंबी तटरेखा पर नियंत्रण रखेगी। बयान में कहा गया कि इन कदमों का मकसद इन जल क्षेत्र को 'ईरान की जनता के लिए गर्व और ताकत का स्रोत, और क्षेत्र के लिए सुरक्षा और समृद्धि का स्रोत' बनाना है। प्रेस टीवी के अनुसार, एक दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने निर्देश जारी करते हुए कहा था कि फारस की खाड़ी को निशाना बनाने वाली खौफनाक विदेशी ताकतों के लिए इस क्षेत्र में कोई जगह नहीं है, सिवास कि वे इसके पानी की गहराई में हों। 13 अप्रैल को इस्लामाबाद वार्ता के विफल होने के बाद अमेरिका ने ईरान की नाकाबंदी शुरू कर दी थी। इससे पहले शुक्रवार को मोजतबा खामेनेई ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को 'कागजी शेर' बताया। वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच उन्होंने इन ठिकानों की अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता पर सवाल उठाया। एक्स पर किए गए पोस्ट में खामेनेई ने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों की रक्षा क्षमता का मजाक उड़ाया और साथ ही वॉशिंगटन के क्षेत्रीय सहयोगियों पर भी निशाना साधा, जिसमें इस्राइल और कुछ अरब देश शामिल हैं, जिन्होंने इस संघर्ष के दौरान अमेरिका का समर्थन किया है।

करोड़ों रुपये लेकर हुआ था फरार, इंटरपोल के नोटिस पर यूएई से भारत लाया गया ये भगोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। यूएई से कमलेश पारेख नाम के शख्स को भारत लाया गया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने विदेश मंत्रालय (MEA) और गृह मंत्रालय (MHA) के सहयोग से रेड नोटिस जारी किया गया था। यह व्यक्ति एक ऐसे मामले में आरोपी था, जिसमें बड़े पैमाने पर बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी शामिल थी। ऐसे में भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के बैंकों के एक समूह को सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। आरोपी ने दूसरे प्रमोटरों और निदेशकों के साथ मिलकर साजिश रची और विदेशों में मौजूद संस्थाओं और व्यावसायिक गतिविधियों के एक नेटवर्क के जरिए बैंक के फंड को दूसरी जगह भेजने में मदद की।

इसमें UAE भी शामिल था। साथ ही, उसने वित्तीय लेनदेन में हेरफेर और बैंकिंग चैनलों के दुरुपयोग जैसी धोखाधड़ी का इस्तेमाल करते हुए, कंपनी और उससे जुड़ी विदेशी संस्थाओं के निर्यात-संबंधी कामों और वित्तीय लेनदेन का सक्रिय रूप से मैनेजमेंट भी किया।

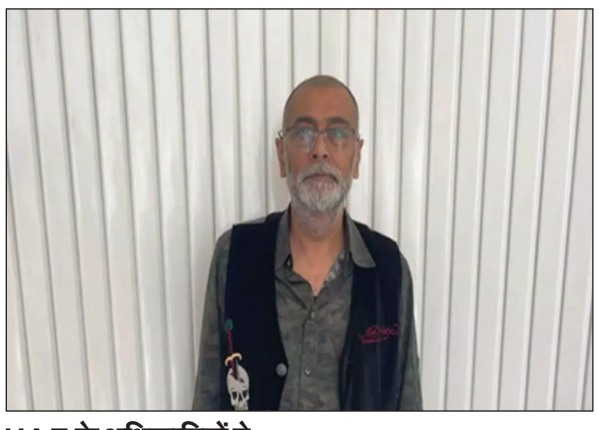

UAE के अधिकारियों ने किया अरेस्ट

इंटरपोल के 'रेड नोटिस' के आधार पर आरोपी का पता UAE में चला। भारत के अनुरोध पर, UAE के अधिकारियों ने इस शख्स को हिरासत में ले लिया। उचित कानूनी प्रक्रियाओं और भारतीय तथा UAE के अधिकारियों के बीच बेहतरीन समन्वय के बाद, इस शख्स को भारतीय अधिकारियों को सौंपने का फैसला लिया गया। ये आरोपी 1 मई को दिल्ली पहुंचा, जहां CBI, BSFB, कोलकाता ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया। भारत में इंटरपोल के लिए 'राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो' के रूप में, CBI 'भारतपोल' (BHARATPOL) के जरिए भारत की सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है, ताकि इंटरपोल चैनलों के ज़रिए सहायता प्राप्त की जा सके। MEA, MHA और कई कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समन्वित प्रयासों के कारण, पिछले कुछ सालों में इंटरपोल चैनलों के जरिए से समन्वय करके 150 से ज्यादा फरार अपराधियों को सफलतापूर्वक भारत वापस लाया गया है।

टीएमसी नेता ने मारने और गंगा में फेंकने की दी धमकी... बंगाल में वोटिंग के बीच हिंदुओं का बड़ा आरोप

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के दौरान कुछ क्षेत्रों से अनियमितताओं की खबरें सामने आईं थी। शिकायतें मिलने के बाद शनिवार (2 मई) को 15 मतदान केंद्रों पर दोबारा वोटिंग कराई जा रही है।लोग भारी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। इस बीच दक्षिण 24 परगना के फाल्टा सब डिवीजन के हसीमपुर इलाके में उस समय तनाव का माहौल बन गया जब स्थानीय हिंदू ग्रामीणों ने कथित धमकियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के मुताबिक हिंदू ग्रामीणों का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पंचायत प्रधान इसराफिल चोंकदार द्वारा उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें जान से मारने और गंगा में फेंकने जैसी गंभीर धमकियां दी गईं। इस आरोप के बाद इलाके में डर और असुरक्षा का माहौल पैदा हो गया है। बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और प्रशासन से सुरक्षा की मांग की।

वहीं महिलाओं का कहना है कि वे किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ी नहीं हैं, लेकिन सिर्फ हिंदू होने के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उनका आरोप है कि हिंदू होने के कारण उन्हें इस धारणा के तहत धमकाया जा रहा है कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को वोट दिया है, जिसके चलते उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। एक स्थानीय महिला का कहना है कि टीएमसी के इसराफिल चौकीदार ने हमें धमकी दी है कि अगर ये लोग जीत गए तो वे हमारे घरों को जला देंगे और यहां खून-खराबा करेंगे।

इलाके में पुलिस बल तैनात

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की है। फिलहाल स्थानीय प्रशासन की ओर से मामले की जांच की बात कही जा रही है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

15 मतदान केंद्रों पर दोबारा वोटिंग

चुनाव आयोग ने साउथ परगना जिले की मगराहाट वेस्ट और डायमंड हार्बर, इन दोनों सीटों के 15 मतदान केंद्रों पर फिर से मतदान कराने का आदेश दिया है। जहां मगराहाट वेस्ट के 11 और डायमंड हार्बर के 4 पोलिंग बूथों पर आज फिर वोट डाले जा रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को पुनर्मतदान कराने का निर्णय लेते हुए स्पष्ट किया था कि कई स्थानों से मतों में गड़बड़ी और अन्य अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई थीं।इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आयोग ने निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पुनर्मतदान का आदेश जारी किया।

चुनाव आयोग को 77 पोलिंग सेंटर्स पर री-पोल कराने की रिक्वेस्ट मिली थी। आरोप था कि कुछ बूथों पर EVM से छेड़छाड़ की गई है और कुछ जगह EVM में गड़बड़ी की शिकायत थी, जिसे लेकर इलेक्शन ऑब्जर्वर्स की रिपोर्ट आने के बाद चुनाव आयोग ने साउथ परगना जिले की 2 सीटों पर फिर से मतदान कराने का आदेश दिया। इन 15 बूथों पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोटिंग जारी रहेगी।

TMC को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

इधर पश्चिम बंगाल में 4 मई को होने वाली विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले TMC को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने TMC की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें मतगणना के लिए केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई थी। यह मामला मतगणना केंद्रों पर केंद्र सरकार और PSU कर्मचारियों की तैनाती से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि काउंटिंग में केंद्रीय कर्मचारियों की नियुक्ति नियमों के खिलाफ नहीं है। कोर्ट ने साफ किया कि इस मामले में किसी भी नए आदेश की जरूरी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 'कोई आदेश की जरूरत नहीं' कहते हुए याचिका पर कोई विशेष दिशा-निर्देश जारी नहीं किया।

नंदिनी ठाकुर की नए शो में एंट्री, शब्बीर अहलूवालिया के साथ ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा में निभाएंगी खास किरदार

टेलीविजन की दुनिया में हर नए शो के साथ दर्शकों को नई कहानियां और नए किरदार देखने को मिलते हैं। इन दिनों छोटे पर्दे पर एक नया शो ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा चर्चा में बना हुआ है। अब इस शो से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आई है। दरअसल, अभिनेत्री नंदिनी ठाकुर भी इस कहानी का हिस्सा बनने जा रही हैं।

नंदिनी इससे पहले पुष्पा इम्पॉसिबल और उड़ने की आशा जैसे सीरियल्स में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं। इस नए शो में नंदिनी ठाकुर ईशा नाम की एक युवा लड़की का किरदार निभाएंगी, जो निडर है, रचनात्मक सोच रखती है और अपनी बात खुलकर कहने में विश्वास करती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नंदिनी ठाकुर ने कहा, मुझे ईशा का किरदार शुरू से ही बेहद पसंद आया।

इस किरदार से मेरा एक अलग ही जुड़ाव है। ईशा सिर्फ अपने सपनों के पीछे भागने वाली लड़की नहीं है, बल्कि वह अपने आसपास के लोगों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। ईशा के अंदर महत्वाकांक्षा और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता है और यही बात इस किरदार को खास बनाती है। शो में ईशा एक डिजाइनिंग दफ्तर में काम करती हुई नजर आएगी।

वहां वह अपने साथ काम करने वाले लोगों को नई चीजें बनाने और रचनात्मक तरीके से सोचने में मदद करती है। नंदिनी ने कहा, यह किरदार आज के युवाओं की सोच और आत्मविश्वास को काफी अच्छे तरीके से दिखाता है। इस शो में शब्बीर अहलूवालिया, श्रीति झा और ऐश्वर्या राज भाकुनी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कहानी अपराजिता (श्रीति झा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक कड़वे अतीत के बाद अपनी जिंदगी फिर से शुरू करती है। इस दौरान उसकी मुलाकात रक्षित (शब्बीर अहलूवालिया) नाम के एक बिजनेसमैन से होती है, जिसने प्यार से दूरी बना ली है। धीरे-धीरे दोनों की जिंदगी एक-दूसरे से जुड़ने लगती है। ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा सोमवार से रविवार, रात 8:00 बजे स्टार प्लस और जियो हॉटस्टार पर प्रसारित होता है।

संघर्ष और सपनों पर खुलकर बोलीं रश्मि देसाई, मैं सिंगल हूं, लेकिन मजबूत हूं

एक्टिंग की दुनिया में कई सितारे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ कलाकार असफलताओं और निजी संघर्षों का सामना करते हुए टूट भी जाते हैं। हालांकि कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो हर मुश्किल के बाद और मजबूत होकर सामने आते हैं। ऐसी ही हैं रश्मि देसाई, जिन्होंने अपने करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन कभी हार नहीं मानी।

रश्मि ने अपने संघर्ष, सपनों, असफलताओं और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने को लेकर खुलकर बात की। रश्मि देसाई ने खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला बताते हुए कहा, मैंने जिंदगी में हमेशा आगे बढ़ना सीखा है। मेरे लिए जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य बात है, और यही जीवन का सबसे बड़ा सच भी है।

हर चीज एक समय के बाद बदल जाती है, इसलिए इंसान को भी बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने अपनी जिंदगी से एक सबसे अहम बात सीखी है और वह है लगातार आगे बढ़ते रहना। अगर इंसान रुक जाता है तो वह पीछे छूट जाता है, इसलिए मुश्किल हालात में भी आगे बढ़ना जरूरी होता है।

अभिनेत्री ने कहा, जैसे-जैसे इंसान जिंदगी में आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके सपने भी बड़े होते जाते हैं। सपने देखने पर कोई टैक्स खर्च नहीं लगता। इसलिए इंसान को बिना डरे बड़े सपने देखने चाहिए। हर व्यक्ति को खुद को हर कदम पर चुनौती देनी चाहिए और अपनी क्षमता को पहचानने की कोशिश करनी चाहिए।

इंसान का काम अपनी तरफ से पूरी मेहनत करना है, बाकी चीजें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए। रश्मि ने अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को भी याद किया। उन्होंने कहा, मैंने कई बार असफलताओं का सामना किया है। मैं जिंदगी में कई बार गिरी हूं, लेकिन हर बार खुद को संभाला और फिर से खड़ी हुई। असफलताएं इंसान को बहुत कुछ सिखाती हैं।

सफलता इंसान को खुशी देती है, लेकिन असफलता उसे मजबूत बनाती है और जिंदगी की असली सीख देती है। उन्होंने कहा, एक सिंगल महिला होने के बावजूद मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं समझा। मैं मानसिक रूप से बहुत मजबूत हूं और किसी भी मुश्किल परिस्थिति में हार मानने में विश्वास नहीं रखतीं। जिंदगी में मुश्किलें सभी के सामने आती हैं, लेकिन जरूरी यह है कि इंसान उनका सामना कैसे करता है।

रश्मि ने कहा, हर कलाकार का अपना एक तरीका और सोच होती है। मैं अपने काम को लेकर एक खास पैटर्न और अनुशासन फॉलो करती हूं। अगर कोई कलाकार अपने दर्शकों को धोखा देता है या सिर्फ दिखावे के लिए काम करता है, तो उसका करियर ज्यादा लंबा नहीं चलता। इसलिए कलाकार को हमेशा ईमानदारी के साथ काम करना चाहिए।

प्राइम वीडियो की लेटेस्ट सीरीज लुक्खे का ट्रेलर रिलीज, सोशल मीडिया पर मिला शानदार रिस्पॉन्स

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल सीरीज लुक्खे का जबरदस्त और रोमांच से भरपूर ट्रेलर लॉन्च किया। यह एक काल्पनिक म्यूजिकल एक्शन ड्रामा है, जहां रैप, बदला और मोक्ष आपस में टकराते हैं। इस ट्रेलर का भव्य लॉन्च मुंबई में उत्साहित लाइव दर्शकों के सामने किया गया, जिसमें प्राइम वीडियो ने अपने एक्सक्लूसिव म्यूजिक स्ट्रीमिंग पार्टनर अमेजन म्यूजिक और म्यूजिक लेबल वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ मिलकर यह आयोजन किया।

इस सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है और इसका निर्माण विपुल डी। शाह और राजेश बहल ने ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिल्ला एलएलपी के बैनर तले किया है। इसे एग्रीम जोशी और देबोजीत दास पुरकायस्थ ने बनाया है और यह उनके ही द्वारा एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस भी की गई है। इस सीरीज में मुख्य भूमिकाओं में राशि खन्ना और किंग है, जहां किंग, जो एक प्रशंसित भारतीय रैपर, गीतकार और सिंगर हैं, इस शो के साथ अपना अभिनय डेब्यू कर रहे हैं।

इसके अलावा पलक तिवारी (जो भी अपनी स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रही हैं) और लक्षवीर सिंह सारण प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। सीरीज में नकुल रोशन सहदेव, कृतिका भारद्वाज, शिवांकित परिहार, योगराज सिंह और आयशा रजा मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह आठ एपिसोड की सीरीज 8 मई को विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर हिंदी में भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में रिलीज होगी।

लुक्खे का ट्रेलर दर्शकों को एक जबरदस्त और ऊर्जा से भरपूर दुनिया में ले जाता है, जहां एमसी बदनाम (जिसका किरदार किंग निभा रहे हैं) अपने दमदार अंदाज में माइक पर अपना दबदबा बनाते हुए दिखाया गया है। वहीं उनकी कड़ी टक्कर एमसी ओजी (शिवांकित परिहार द्वारा निभाया गया किरदार) से देखने को मिलती है। साथ ही लकी (लक्षवीर सिंह सारण,) और सनोबर (पलक तिवारी) के बीच उभरती हुई प्रेम कहानी भी कहानी को नया मोड़ देती है।

कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, तनाव और भावनाएं और भी गहरी होती जाती हैं और रैप, अपराध तथा रिश्तों की दुनिया आपस में टकराकर एक ऐसे मोड़ पर पहुंचती है, जहां बदले, मोक्ष और जबरदस्त एक्शन की एक रोमांचक कहानी बनती है। इस पूरे माहौल को और भी ज्यादा असरदार बनाता है। इसका जोरदार और अलग-अलग शैलियों वाला साउंडट्रैक, जिसमें एक तरफ तेज और दमदार रैप गाने हैं, तो दूसरी तरफ भावनाओं से भरी हुई मधुर धुनें भी हैं।

ये म्यूजिक हर सीन की ताकत को और बढ़ा देता है और अंत में दर्शकों के मन में एक सवाल छोड़ जाता है। एक ऐसी दुनिया में जहां रैप और बदला दोनों ही बहुत प्रभावशाली हैं, वहां कौन इन सबसे ऊपर उठ पाएगा, और कौन उसमें पूरी तरह खो जाएगा?।

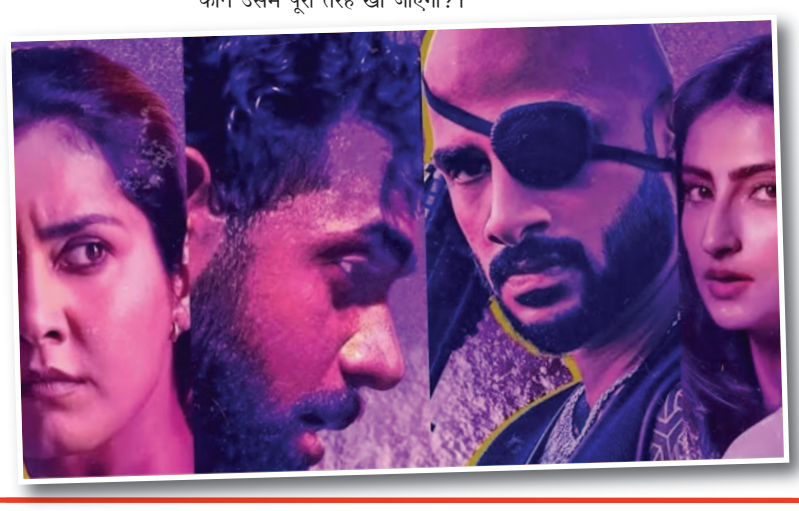

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com